Bat and Covid-19 outreach

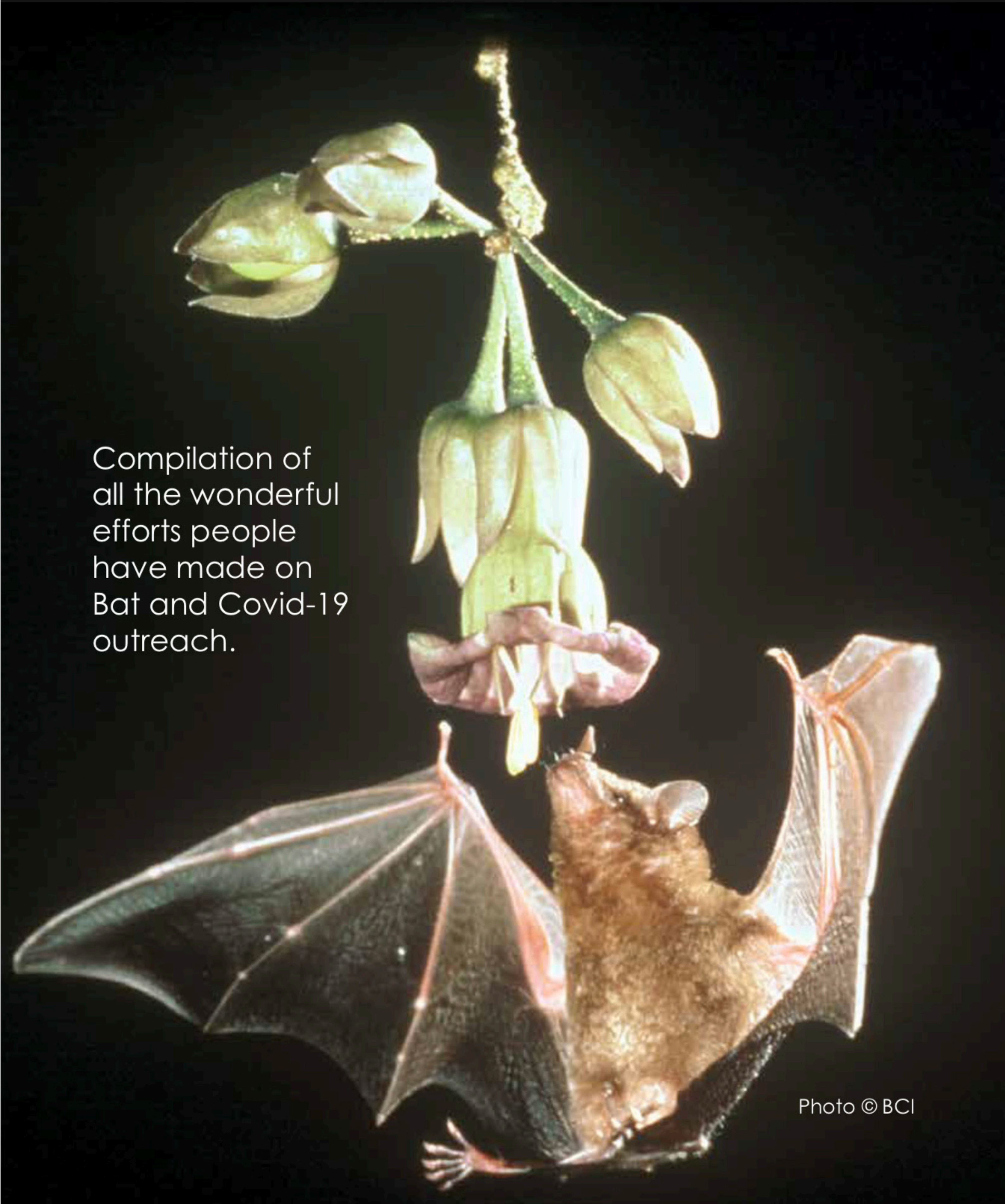

Compilation of all the wonderful efforts people have made on Bat and Covid-19 outreach.

Photo © BCI

BAT POSTERS
Freelance Project May 2020

In the wake of COVID-19, Bats are being blamed and punished for no fault of theirs. COVID-19 did not come from bats directly and killing bats will not save anyone from the disease. It will only disturb the ecological balance and give rise to more such animal-borne diseases. Bats play a crucial role in the ecosystem and should be protected, not killed. I conceptualized, illustrated and designed this poster to help curb rumours about bats and hence protect them from being killed.

Bebo, a fruit bat offers clarifications on behalf of her kin. Please feel free to download the poster below in your language and help spread the word and protect this fascinating species.

Nicobar Flying Fox *Pteropus faunulus* by Arnab Roy from picture by Bandana Aul.

Concept, content, illustration & design: Richa Kedia
Technical Inputs: Rohit Chakravarty
Hindi Translation: N.K.Kedia
Bengali Translation: Kasturi Saha
Marathi Translation: Raju Kasambe & Pranav Pandit
Telugu: Pranav Tamarapalli
Urdu: Asif Mubeen
French: Emilie Van der Broeck

Bat ke "Mann ki Baat"

20% mammals are bats

1411 bat species worldwide

128 bat species in India

Hey! I am Bebo, a Fruit Bat!

I have been hearing some rumours regarding bats, so I am here to clear our name!

BRIEF ABOUT ME

- I am not a bird. I am the only mammal that can fly.

- I am a slow breeder and produce only about 2 offsprings/ year.
- Stop using the phrase "***blind as a bat***" 'coz I can see quite clearly, I also use echolocation to navigate in the dark and detect my prey.
- I believe in non-violence and don't attack humans.
- If I do bite you in self defence, get rabies shots as a precautionary measure as you'd do for a dog bite.

I AM A HERO, NOT A MONSTER

We eat fruit, nectar or insects, hence act as pollinators, seed dispersers and/ or pest controllers.

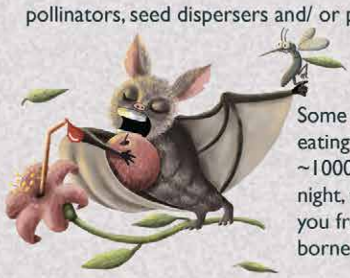

Some of my insect-eating relatives can have ~1000 mosquitoes in a night, thus, protecting you from mosquito-borne diseases.

MY SUPER POOP (GUANO)

- My poop is one of the best organic fertilizers.
- Several organisms in ecosystems with no light source like heritage sites and caves, completely depend on my poop for survival.

- My poop lying around doesn't cause any serious illness but on direct contact can cause infections, so while touching it please wear masks and gloves, as you'd do while handling any other poop. That's basic hygiene, my friend!

MY SUPER IMMUNITY

- I have super-immunity so many viruses live inside me but don't make me sick.
- I generally keep these viruses to myself but humans destroy my habitat and I come in contact with them. Don't bother me and I won't either!
- The new coronavirus is related to some viruses that live inside me, but did not come directly from me!
- I hear that scientists are studying my super-immunity to try and replicate it in humans!

Killing me will not help you deal with COVID-19 or related diseases, it will only disturb the ecological balance and give rise to more animal-borne diseases. Alive, I'll help you make this planet great again!

Batman is a fictional character based on my superpowers but I am the real deal!

Instead of bothering us, protect yourself from COVID19 by following the guidelines on: www.who.int

richa

Technical Inputs by Rohit Chakravarty, a bat researcher

Concept & design by Richa Kedia www.richakedia.com

FRENCH

Histoires de chauves-souris

Hé ! Je suis Bebo, une chauve-souris frugivore!

J'ai entendu des rumeurs liant les chauves-souris au COVID-19, alors je suis ici pour laver notre nom !

20%
Des mammifères sont des chauves-souris

1411
Espèces de chauves-souris à travers le monde

INFORMATIONS À MON SUJET

- Je ne suis pas un oiseau, je suis le seul mammifère qui peut voler.

- Je suis un éleveur lent et je ne produis qu'environ 2 descendants par an.
- Cessez d'utiliser l'expression "aveugle comme une chauve-souris" car je vois très bien, j'utilise aussi l'écholocation pour naviguer dans le noir et détecter ma proie.
- Je crois en la non-violence et je n'attaque pas les humains.
- Si je vous mords en légitime défense, faites-vous vacciner contre la rage par mesure de précaution, comme vous le feriez pour une morsure de chien.

JE SUIS UN HÉROS, PAS UN MONSTRE

Nous mangeons des fruits, du nectar ou des insectes, et nous agissons donc comme des pollinisateurs, des disperseurs de graines et/ou des contrôleurs de parasites.

Certaines de mes cousines insectivores peuvent manger ~1000 moustiques en une nuit, ce qui vous protège des maladies transmises par les moustiques

MON SUPER CACA (GUANO)

- Mon caca est l'un des meilleurs engrais.
- Plusieurs habitants d'écosystèmes sans source de lumière, comme les grottes, dépendent entièrement de mon caca pour survivre!

- Mon caca qui traîne ne provoque pas de maladie grave, mais si on le touche, il peut provoquer des infections. Alors si vous le touchez, portez un masque et des gants, comme vous le feriez si vous manipuliez n'importe quel autre caca. C'est l'hygiène de base, mon ami!

French Translation: Emilie Van der Broeck

MA SUPER-IMMUNITÉ

- J'ai une super-immunité. De nombreux virus vivent en moi mais ne me rendent pas malade.
- Nous gardons généralement ces virus pour nous, mais les humains détruisent notre habitat et nous entrons en contact avec eux. Ne me dérangez pas et je ne le ferai pas non plus !
- Le nouveau coronavirus est lié à certains virus qui vivent en moi, mais qui ne viennent pas directement de moi!
- J'ai entendu dire que des scientifiques étudient ma super-immunité pour essayer de la reproduire chez l'homme!

Me tuer ne vous aidera pas à faire face au COVID-19 ou aux maladies connexes, cela ne fera que perturber l'équilibre écologique et engendrer davantage de zoonoses. Vivant, je vous aiderai à rendre cette planète à nouveau géniale !

Batman est un personnage fictif basé sur mes super-pouvoirs - je suis l'original !

richa.kedia

www.richakedia.com

richa

Au lieu de déranger les chauves-souris, protégez-vous contre le COVID19 en suivant les lignes directrices sur www.who.int

richa

BENGALI

বাদুড় বলে "ওরে ও ভাই.."

২০%
স্তন্যপায়ীই বাদুড়

১৪১১টি
জাতি আছে বাদুড়ের

১২৮টি
জাতি ভারতে

নমস্কার! আমি বুদু, আমি এক ফলাহারি বাদুড়!

কোভিড-১৯ আর আমাদের নিয়ে তো অনেক গুজব শুনছি মশাই! তাই সেগুলো দূর করতে এলাম!

আমার সংক্ষিপ্ত পরিচয়

- আমি পাখি নই। আমি হলাম একমাত্র স্তন্যপায়ী যে উড়তে পারে।

- আমার বংশবৃদ্ধি একটু ধীরে হয়, বছরে বড়জোর দুই বাচ্চা নিয়ে আমার সংসার।
- আমরা মোটেই অন্ধ নই, ভালোমতই দেখতে পাই! তবে শব্দের প্রতিফলন শুনেও চলাফেরা করতে পারি (ইকোলোকেশন) আর অন্ধকারে শিকারও ধরতে পারি।
- আমি অহিংসায় বিশ্বাসী। মানুষকে আক্রমণ করার কথা আমি ভাবি না।
- আমি যদি নিজের আত্মরক্ষার জন্য আপনাকে কামড়াই, তাহলে রেবিস ইঞ্জেকশন নিলেই হবে, ওই যেমন কুকুর কামড়ালে নেন।

রাক্ষস নই, আমি বন্ধু

আমরা ফল খেয়ে বীজ ছড়াই, ফুলের মধু খেতে এসে পরাগমিলন ঘটাই, আর পোকামাকড় খেয়ে চাষবাসেও সাহায্য করি।

আমার কিছু পোকাখেকো চামচিকে ভাইবোনেরা একাই এক রাতে প্রায় ১০০০টা মশা খেয়ে নেয় আর আপনাকে মশাবাহিত রোগ থেকে বাঁচায়।

আমার মল (গুয়ানো)-র 'গু'ণাগুণ

- আমার মল থেকে অন্যতম শ্রেষ্ঠ সার তৈরী হয়।
- বেশ কিছু জীব যারা অন্ধকারে, যেমন গুহায় থাকে, তাদের বেঁচে থাকার জন্য আমার মলই ভরসা!

- আমার পড়ে থাকা মল থেকে বিশেষ কোনও রোগব্যাধি ছড়ায় না।
সরাসরি সংস্পর্শে এলে মাস্ক আর গ্লাভস ব্যবহার করলেই হবে, যা অন্য যেকোনো প্রাণীর মলমূত্রের ক্ষেত্রেই করার কথা। সে তো একেবারেই সাধারণ স্বাস্থ্যবিধি, তাই না?

আমার রোগপ্রতিরোধ ক্ষমতা কিন্তু অসাধারণ

- আমার দেহে অনেক ভাইরাস থাকে, তাতে আমি অসুস্থ হইনা। তার কারণ রোগপ্রতিরোধ করতে আমি দারুণ পারি!
- আমরা সাধারণত এই ভাইরাসগুলি নিজের দেহেই সীমাবদ্ধ রাখি। কিন্তু মানুষ আমাদের বাসস্থান ধ্বংস করে, আর তখন আমরা তাদের সংস্পর্শে আসি। যদি দয়া করে আমাদের বিরক্ত করতে না আসেন, তাহলে আমাকেও আর আপনাদের ধারেকাছে আসতে হয় না!
- এই নতুন করোনাভাইরাসটি আমার দেহে থাকা কিছু ভাইরাসের দূর সম্পর্কের আত্মীয় হতে পারে, কিন্তু আমার থেকে সরাসরি আসেনি!
- শুনেছি বিজ্ঞানীরা আমার অসাধারণ রোগপ্রতিরোধ শক্তি নিয়ে গবেষণা করছেন, যাতে মানবস্বাস্থ্যের উন্নতিতে এর প্রয়োগ করা যায়।

আমাকে মেরে এই মহামারীর কোনও সমাধান হবে না, উল্টে প্রকৃতির ভারসাম্য নষ্ট হবে, আর তাতে প্রাণীবাহিত রোগ আরওই বাড়বে। আমায় বাঁচতে দিলে এই পৃথিবীকে আবার সুন্দর করে তুলতে আমি আপনাদের সাহায্য করব।

ব্যাটম্যান নেহাত-ই এক কাল্পনিক চরিত্র, যা আমার থেকেই অনুপ্রাণিত। আমিই হলাম গিয়ে আসল সুপারহিরো, বুঝলেন?

শুধু শুধু আমাদের বিরক্ত না করে, কোভিড-১৯ থেকে নিজেকে রক্ষা করতে WHO-র কথামত স্বাস্থ্যবিধি মেনে চলুন www.who.int

richa

Bengali Translation: Kasturi Saha

Technical Inputs: Rohit Chakravarty

Concept & design: Richa Kedia www.richakedia.com

HINDI

चमगादड़ के "मन की बात"

20% मैमल्स चमगादड़ हैं

1411 चमगादड़ प्रजातियां दुनिया में हैं

128 चमगादड़ प्रजातियां भारत में है

नमस्ते ! मैं बेबो हूँ, एक फल खाने वाला चमगादड़!

मैंने चमगादड़ों के बारे में कुछ अफवाहें सुनी हैं, इसलिए मैं अपनी सफाई देने आई हूँ।

कुछ मेरे बारे में

- मैं पक्षी नहीं हूँ। मैं एकलौती उड़ने वाला मैमल (स्तनधारी) हूँ।

- मैं एक वर्ष में सिर्फ 2 संतानों तक पैदा कर सकता सकती हूँ।
- "अंधा चमकदार" कहना बंद करें, क्योंकि मैं स्पष्ट रुप से देख सकती हूँ। अंधेरे में रास्ता और शिकार खोजने के लिए मैं इकोलोकेशन का भी उपयोग करती हूँ।
- हम अहिंसा में विश्वास रखते हैं और मनुष्यों पर हमला नहीं करते।
- यदि हम कभी आत्मरक्षा के लिए काट लें, तो एहतियात के तौर पर रेबीज शॉट्स लें जैसे आप कुत्तों के काटने पर करते हैं।

मैं एक सहायक हूँ, दुष्ट नहीं

हम फल, फूलों का रस या कीड़े खाते हैं, इसलिए पोलिनेटोर, बीज फैलाने और कीट नाशक का काम करते हैं।

मेरे कुछ कीड़े खाने वाले रिश्तेदार एक रात में ~1000 मच्छर खा जाते हैं, और मच्छर-जनित बीमारियों से आपकी रक्षा करते हैं।

मेरा सुपर शौच (गुआनो)

- मेरा शौच एक अच्छी प्राकृतिक खाद है।
- प्रकाश-रहित इकोसिस्टम जैसे काली गुफ , के सारे जीव मेरे शौच पर निर्भर हैं।

- मेरे शौच के पड़े रहने से कोई गंभीर बीमारी नहीं होती, लेकिन सीधे संपर्क से संक्रमण हो सकता है, इसलिए इसे छूते समय कृपया मास्क और दस्ताने पहनें, जैसा कि आप किसी अन्य शौच के लिए करते हैं। यह तो बुनियादी स्वच्छता है, मेरे दोस्त!

हमारी सुपर इम्युनिटी

- हमारे पास सुपर-इम्युनिटी है इसलिए कई वायरस हमारे अंदर रहते हैं लेकिन हमें बीमार नहीं करते।
- हम आम तौर पर इन वायरसों को अपने पास रखते हैं लेकिन मनुष्य हमारे निवास को नष्ट कर देते हैं और हम उनके संपर्क में आ जाते हैं । कृपया हमें परेशान ना करें और हम भी नहीं करेंगे !
- नया कोरोनोवायरस हमारे अंदर रहने वाले कुछ वायरसों से संबंधित है, लेकिन सीधा हमारे पास से नहीं आया !
- मैंने सुना है कि वैज्ञानिक मेरी सुपर-इम्युनिटी का अध्ययन करके मनुष्यों में इसे प्रतिलिपित करने का प्रयत्न कर रहे हैं !

हमें मारने से COVID-19 या संबंधित बीमारियों से छुटकारा नहीं मिलेगा। इससे केवल इकोलॉजिकल संतुलन बिगड़ जायेगा और अनेक पशु-जनित बीमारियां फैल जाएंगी। ज़िंदा, हम आपको इस दुनिया को फिर से महान बनाने में मदद करेंगे!

बैटमैन मेरी महाशक्तियों पर आधारित एक काल्पनिक चरित्र है लेकिन मैं जीता जागता सच हूँ!

हमें परेशान करने के बजाय, COVID19 से बचने के लिए www.who.int पर दिए गए निर्देशों का पालन करें।

richa

Hindi Translation: N.K.Kedia

Technical Inputs: Rohit Chakravarty

Concept & design: Richa Kedia www.richakedia.com

MARATHI

एका वटवाघूळाची "मन की बात"

20% सस्तन प्राणी वटवाघूळे आहेत

1411 वटवाघुळाच्या प्रजाति विश्वात आहेत

128 वटवाघुळाच्या प्रजाति भारतात आहेत

हॅलो! मी आहे बेबो ! एक फलभक्षी वटवाघूळ !

वटवाघूळांबद्दल काही अफवा माझ्या कानावर आलयात आहेत, म्हणून मी माझी सफाई द्यायला येथे आलो आहे.

माझ्या बद्दल रोचक माहिती

- मी पक्षी नव्हे. सर्व सस्तन प्राण्यांमध्ये केवळ मी उडू शकतो (मी एकटाच उडू शकणारा सस्तन प्राणी आहे)!
- आमचा प्रजनन दर कमी असून वर्षाला आम्हाला दोनच अपत्ये (पिल्लं) होतात.

- "वटवाघूळाप्रमाणे आंधळा" असे म्हणणे थांबवा. मला अगदी स्पष्ट दिसते. अंधारात खाद्य शोधण्यासाठी मी (श्रवणातीत ध्वनिलहरींचा अर्थात) "इकोलोकेशन" तंत्राचा वापर करतो.
- माझा अहिंसेवार विश्वास असून मी माणसांवर हल्ला करीत नाही.
- आत्मसंरक्षणार्थ मी तुम्हाला चावा घेतलाच तर खबरदारी म्हणून तुम्ही, कुत्रा चावल्यास घेता तशी, रेबिजची इंजेक्शन जरूर घ्या.

मी नायक आहे, खलनायक नाही

आम्ही फळं, मधुरस अथवा कीटक खातो, अर्थात निसर्गात आम्ही परागकण, बिजांचा प्रसार, तसेच कीड नियंत्रक म्हणून भूमिका बाजवतो.

माझे काही कीटकभक्षी नातेवाईक तर एका रात्रीत एक हजार डासांचा फडशा पाडतात आणि अशाप्रकारे डासांमुळे होणाऱ्या आजारांपासून तुमचे संरक्षण करतात.

माझी सुपर विष्ठा (गुआनो)

- माझी विष्ठा सर्वोत्कृष्ट खतांपैकी एक आहे.
- ज्या ठिकाणी अजिबात प्रकाश पोहोचत नाही अशा अंधाऱ्या अधिवासातील, जसे वारसा स्थळे आणि गुहा, अनेक जीवांचे अस्तित्व संपूर्णपणे माझ्या विष्ठेवर अवलंबून आहे.

- माझी विष्ठा कुठे पडलेली असेल त्याने कुणाला गंभीर आजार होणार नाही. पण त्याचा स्पर्श झाल्यास संसर्ग होऊ शकतो. कुठलीही विष्ठा हातळताना मास्क आणि हातमोजे वापरुन जशी काळजी तुम्ही घेता तीच काळजी माझी विष्ठा हाताळताना घ्या.
माझ्या मित्रांनो त्यांनो, खरे तर ही मूलभूत स्वच्छताच आहे!

माझी उत्तम रोगप्रतिकारशक्ति

- माझी रोगप्रतिकारशक्ति जादुई असून माझ्या शरीरात कितीतरी प्रकारचे विषाणू राहतात पण मला आजारी पाडू शकत नाहीत.
- साधारणतः हे विषाणू मी माझ्यापर्यंतच ठेवतो. पण मनुष्य माझा अधिवास नष्ट करतो आणि मी त्यांच्या संपर्कात येतो. तुम्ही मला त्रास देऊ नका, मी पण तुम्हाला त्रास देणार नाही!
- नवीन कोरोना विषाणूचा माझ्या शरीरातील काही विषाणूंशी जरी नातेसंबंध आहेत. माझ्या शरीरातील काही विषाणू, नवीन करोना विषाणूचे पूर्वज आहेत.
- मला कळलंय की शास्त्रज्ञ माझ्या ह्या दिव्य/सुपर रोगप्रतिकारशक्तिचा अभ्यास करतायत. त्यांना तशाच रोगप्रतिकारशक्तिचे मानवामध्ये परीक्षण आणि निर्मिती करायची आहे.

मला मारून तुम्हाला कोविड-१९ ची समस्या सोडविण्यात कुठलीही मदत होणार नाही. याउलट, त्यामुळे पर्यावरणाचे संतुलन बिघडेल आणि प्राण्यांपासून संसर्ग होणाऱ्या आजारांच्या संख्येत वाढच होईल. जीवंत असेपर्यंत ह्या ग्रहाला सुंदर बनविण्यात मी मदत करेन.

'बॅटमॅन' हे काल्पनिक पात्र माझ्या महाशक्तींवर बेतलेले आहे, पण खरा हीरो (नायक) तर मी आहे!

आम्हाला छळण्यापेक्षा, खालील संकेतस्थळावर दिलेल्या मार्गदर्शक सूचनांचे पालन करून स्वतःचे कोविड १९ पासून संरक्षण करा: www.who.int

richa

Marathi Translation: Raju Kasambe & Pranav Pandit

Technical Inputs: Rohit Chakravarty

Concept & design: Richa Kedia www.richakedia.com

SPANISH

La historia de un murciélago

¡Hola ! ¡Soy Bingo, un murciélago que solo se alimenta de frutas!

He estado escuchando algunos rumores sobre murciélagos, ¡así que estoy aquí para limpiar nuestro nombre!

20%
de los murciélagos son mamíferos

1411
especies de murciélagos en todo el mundo

UN POCO SOBRE MI

- No soy un pájaro. Soy el único mamífero que puede volar.

- Me reproduzco lentamente, solo tenemos hasta 2 crías al año.
- Dejar de usar la frase "ciego como un murciélago" 'porque puedo ver con bastante claridad, también uso ecolocalización para navegar en la oscuridad y detectar a mi presa.
- Creo en la no violencia, soy pacífico y no ataco a los humanos.
- Si llegara a morderte sería en defensa propia , no te preocupes. Vacúnate contra la rabia como medida de precaución asi como lo harías por una mordedura de perro.

SOY UN HÉROE, NO UN MONSTRUO

Comemos frutas, néctar o insectos, por lo tanto actuamos como polinizadores, dispersadores de semillas y/o controladores de plagas.

Algunos de mis parientes que comen insectos pueden comer hasta 1000 mosquitos en una sola noche, protegiéndote así de enfermedades transmitidas por mosquitos.

MI SUPER POPO (GUANO)

- Mis popo es uno de los mejores fertilizantes

- Varios organismos en ecosistemas sin fuente de luz como sitios patrimoniales y cuevas, dependen completamente de mi popo para sobrevivir
- Cuando mi popo está expuesta al aire libre no causa ninguna enfermedad grave, pero en contacto directo pueden causar infecciones, así que si decides tocarla por favor usa una máscara y guantes, como lo harías mientras manejas cualquier otro desecho. ¡Eso es higiene básica, amigo mío!

Spanish Translation: Edith Muñoz

MI SUPER INMUNIDAD

- Tengo súper-inmunidad muchos virus viven dentro de mí, pero no me enferman.
- Generalmente guardo estos virus para mí, pero los humanos destruyen mi ecosistema diaramente y como consecuencia estoy más en contacto con los humanos. ¡Por favor no me molestes! Si no me molestas yo tampoco te molesto!
- El nuevo coronavirus está relacionado con algunos de los virus que viven dentro de mí, pero no vino directamente de mí!
- ¡Escuché que los científicos están estudiando mi súper - inmunidad para tratar de replicarla en humanos!

Matarme no ayudará a la humanidad a lidiar con COVID-19 o enfermedades relacionadas, sólo perturbará más el equilibrio ecológico y dará lugar a más enfermedades transmitidas por animales. ¡Vivo, te ayudaré a hacer este planeta grande y extraordinario otra vez!

Batman es un personaje ficticio basado en mi, ¡pero yo soy quien tiene superpoderes, el autentico!

richa.kedia

www.richakedia.com

richa

En lugar de molestarnos, por favor protégete de COVID19 siguiendo las indicaciones de la Organización Mundial de la Salud . Visita : www.who.int

TELUGU

గబ్బిలం "మనసులో మాట"

హాయ్ నా పేరు బెటో, నేను పండ్లు తినే గబ్బిలాన్ని!

కోవిడ్ - 19 కి సంభందించి మా గురించి ఉన్న అపోహలని పోగొట్టటానికి వచ్చాను!

20% క్షీరదాలు గబ్బిలాలే

1411 జాతుల గబ్బిలాలు ప్రపంచవ్యాప్తంగా ఉన్నాయి

128 జాతుల గబ్బిలాలు భారత దేశంలో ఉన్నాయి

నా గురించి కొన్ని విషయాలు

- నేను పక్షిని కాను, ఎగిరే క్షీరదాన్ని

- నా సంతాన ఉత్పత్తి తక్కువ, ఏడాదికి 2 పిల్లల్ని మాత్రమే కంటా.
- నేను గుడ్డిదాన్ని కాను, చక్కగా చూడగలను, శబ్ద తరంగాలు ఉపయోగించుకుని చీకట్లో ప్రయాణిస్తాను.
- నేను అహింసను పాటిస్తా, మనుషులకు హాని చేయను.
- ఆత్మరక్షణ కోసం నేను కరిచినా , ముందు జాగ్రత్తగా ర్యాబిస్ ఇంజక్షన్ తీసుకుంటే సరిపోతుంది.

నేను రాక్షసిని కాదు, హీరోని

మేము పండ్లు, తేనె, కొన్ని పురుగులను తింటాము. ఆ విధంగా విత్తన వ్యాప్తికి, ఫలదీకరణకు, తెగుళ్ళ నియంత్రణకు సహాయపడతాము.

పురుగులు తినే మా చుట్టాలు ఒక రాత్రిలో 1000 దోమల్ని తిని, దోమల ద్వారా వచ్చే వ్యాధులను ఆపుతాయి.

నా అద్భుతమైన వ్యర్థం (గువానో)

- నా వ్యర్థం మంచి ఎరువుగా పనిచేస్తుంది.
- అసలు కాంతిలేని జీవావరణ వ్యవస్థలో నా వ్యర్థాల మీద చాలా జీవులు ఆధారపడతాయి.

- నా వ్యర్థాలు చుట్టుపక్కల ఉండటం వలన ఏ ఇబ్బంది లేదు,కానీ గ్లవ్స్ అలానే మాస్క్ లేకుండా నా వ్యర్థాలను ముట్టుకుంటే ఇన్ఫెక్షన్లు వస్తాయి, జాగ్రత్త తీస్కో మిత్రమా!!

నా అద్భుతమైన రోగనిరోధక శక్త

- చాలా రకాల వైరస్లు నాలో ఉంటాయి, కానీ నాకు జబ్బు చేయదు.
- నా నివాసాలకి, ఆవరణానికి హాని తలపెడితే మనుషులకు చేరువ అవుతాం. మమ్మల్ని ఇబ్బంది పెట్టి మీరు ఇబ్బంది పడకండి!
- కరోనా వైరస్ నాలో ఉన్న వైరస్లకు సంభందించినదే, కానీ అది నా వలన రాలేదు!
- నా రోగనిరోధక శక్తి మీద పరిశోధనలు జరుగుతున్నాయి, మనుషులకు కూడా అలాంటిది కావాలంట!

నన్ను చంపడం వల్ల కోవిడ్ 19 తగ్గదు, జీవావరణ వ్యవస్థ యొక్క సమతుల్యం దెబ్బతిని మరికొన్ని జబ్బులు వస్తాయి. నన్ను బ్రతకనిస్తే ప్రపంచాన్ని హరితంగా చేస్తా!

బ్యాట్ మ్యాన్ కాదు నేనే అసలైన హీరో.

!మాకు హాని కలిగించే బదులు, కోవిడ్-19 జాగ్రత్తలు ఈ లింక్ లో చూడండి: www.who.int

richa

Telugu Translation: Pranav Tamarapalli

Technical Inputs: Rohit Chakravarty

Concept & design: Richa Kedia www.richakedia.com

چمگادڑ کے "من کی بات"

۱۴۱۱
چمگادڑوں کی قسمیں پائی جاتی ہیں

۲۰٪
میملس چمگادڑ ہیں

ہندوستان میں پائی جاتی ہیں

آداب! میں بے بو ہوں، ایک پھل کھانے والا چمگادڑ۔
میں نے چمگادڑوں کے بارے میں کچھ افواہیں سنی ہیں،
اِس لیے میں اپنی صفائی دینے آئی ہوں۔

کچھ میرے بارے میں

- میں پرندہ نہیں ہوں۔
- میمل (دُودھ پلانے والی) ہوں۔
- میں ایک برس میں دو بچے تک پیدا کر سکتا/سکتی ہوں۔
- "اندھا چمگادڑ" کہنا بند کریں، کیونکہ میں دیکھ سکتی ہوں۔ اندھیرے میں راستہ اور شکار تلاش کرنے کے لیے میں ایکولوکیشن کا استعمال کرتی ہوں۔
- ہم چمگادڑ عدم تشدد میں یقین رکھتے ہیں اور انسانوں پر حملہ نہیں کرتے۔
- اگر ہم کبھی اپنی حفاظت کے لیے کاٹ لیں، تو احتیاطاً ربیز شاٹ لیں، جس طرح آپ کتوں کے کاٹنے پر کرتے ہیں۔

میں ایک مددگار ہوں، دشمن نہیں

ہم پھل، پھولوں کا رس یا کیڑے کھاتے ہیں، اس لیے پولنٹور، بیج پھیلانے اور کیڑے مارنے کا کام کرتے ہیں۔

کیڑے کھانے والے میرے کچھ رشتے دار ایک رات میں ۱۰۰۰ مچھر کھا جاتے ہیں، اور مچھر سے پیدا ہونے والی بیماریوں سے آپ کا بچاؤ کرتے ہیں۔

میری بیٹ (گوآنو)

- میری بیٹ ایک اچھی قدرتی کھاد ہے۔
- اندھیرے ماحول جیسے تاریک گُپھا میں بسیرا کرنے والے سارے جاندار میری بیٹ پر گزارا کرتے ہیں۔
- میری بیٹ پڑے رہنے سے کسی خطرناک بیماری کا خطرہ نہیں، لیکن براہِ راست چھونے سے بیماری ہو سکتی ہے، اس لیے اسے چھوتے وقت ماسک اور دستانے کا استعمال کریں جیسا کہ آپ کسی بھی دوسرے وقت کرتے ہیں۔ صفائی تو بہت بنیادی چیز ہے میرے دوست!

سپر امیونٹی

- ہمارے پاس سُپر امیونٹی ہے اس لیے کئی جراثیم ہمارے اندر رہتے ہیں لیکن ہمیں بیمار نہیں کرتے۔
- ہم عام طور پر ان جراثیم کو اپنے پاس رکھتے ہیں لیکن انسان ہمارے گھروں کو ختم کر دیتے ہیں اور اس طرح ہم اُن کے رابطے میں آ جاتے ہیں۔ برائے مہربانی ہمیں پریشان نہ کریں، ہم بھی آپ کو پریشان نہیں کریں گے۔
- نیا کورونا وائرس ہمارے اندر بسیرا کرنے والے کچھ دوسرے وائرس سے متعلق ہے، لیکن سیدھا ہمارے پاس سے نہیں آیا۔
- میں سنا ہے کہ سائنس داں میرے سُپر امیونٹی کا مطالعہ کر کے انسانوں میں اس کی نقل کی کوشش کر رہے ہیں۔

ہمیں مارنے سے COVID-19 یا دیگر بیماریوں سے چھٹکارا نہیں ملے گا۔ البتہ اس سے ماحولیاتی توازن بگڑ جائے گا اور کئی طرح کی جانوروں والی بیماریاں پھیل جائیں گی۔ زندہ رہنے کی صورت میں ہم پھر سے آپ کی دنیا کو بہتر بنانے میں مدد کریں گے۔ بیٹ مین میری طاقتوں والا ایک فرضی کردار ہے لیکن میں ایک جیتا جاگتا سچ ہوں۔

ہمیں پریشان کرنے کے بجائے COVID-19 سے بچنے کے لیے www.who.int پر دی گئی ہدایات پر عمل کریں

richa

Urdu Translation: Asif Mubeen
Technical Inputs: Rohit Chakravarty
Concept & design: Richa Kedia www.richakedia.com

TAMIL

ஒரு வவ்வாலுடைய மனதின் குரல்

TAMIL

நண்பர்களே! நான் ‘பெபோ’, ஒரு பழந்திண்ணி வவ்வால்!

வவ்வால்களையும் கொரோனாவையும் இணைத்து பல வதந்திகளை நான் கேட்டு வருகிறேன். அவற்றை தெளிவுபடுத்தி எங்கள் மீதுள்ள கலங்கங்களை துடைக்கவே நான் இங்கு வந்துள்ளேன்.

TAMIL

என்னைப்பற்றிய சிறு அறிமுகம்

நான் ஒரு பறவை அல்ல. பறக்கும் ஆற்றல் கொண்ட ஒரே பாலூட்டி நான்

20% பாலூட்டிகள் வவ்வால்களே

1411 வவ்வால் சிற்றினங்கள் உலகில் உண்டு

128 சிற்றினங்கள் இந்தியாவில் உண்டு

richa

TAMIL

என்னைப்பற்றிய சிறு அறிமுகம்

- நான் மெதுவாக இனப்பெருக்கம் செய்யும் ஒரு விலங்கு. ஆண்டுக்கு அதிகபட்சமாக 2 குட்டிகளை மட்டுமே என்னால் ஈன முடியும்.
- 'வவ்வால்களுக்கு கண்பார்வை இல்லை' என்னும் வதந்தியை இனி நம்பாதீர்கள். என்னால் நன்கு பார்க்க முடியும். அதோடு நான் இரவுகளில் மீயொலிகளை எழுப்பி அதன் மூலம் இரைதேடுவேன்.
- நான் ஒரு அகிம்சை விரும்பி. எனவே மனிதர்களை நான் தாக்குவதில்லை.
- ஒருவேளை என் தற்காப்பிற்காக உங்களை நான் கடித்துவிட்டால், முன்னெச்சரிக்கையாக ரேபீஸ் தடுப்பூசியை போட்டுக்கொள்ளுங்கள், நாய்கடிகளுக்கு செய்வதுபோல.

richa

TAMIL

நான் ஒரு நாயகன்இ அரக்கன் அல்ல

நாங்கள் பழங்கள், மலர்தேன் அல்லது பூச்சிகளை உண்ணுபவர்கள். எனவே, நாங்கள் தாவரங்களின் மகரந்த சேர்க்கை / விதைப் பரவலுக்கு உதவுவதோடு இயற்க்கை பூச்சிக்கொல்லிகளாகவும் இருந்து வருகிறோம்.

என்னுடைய பூச்சியுண்ணி சகோதரர்கள் சுமார் 1000 கொசுக்களை ஒரு இரவில் உண்ணக்கூடியவர்கள். இதன்மூலம் உங்களை அவர்கள் கொசுக்களால் பரவும் நோய்களில் இருந்து பாதுகாக்கின்றனர்.

TAMIL

எனது ஈடுஇணையற்ற எச்சம்

✳ என் எச்சமும் கழிவுகளும் பயிர்களுக்கு சிறந்த உரமாகும்.

✳ ஒளிவிளக்குகள் இல்லா இடங்களான குகைகள் மற்றும் பாரம்பரிய கட்டிடங்களில் வாழும் பல உயிரிகள் உயிர்பிழைத்தலுக்கு எங்கள் எச்சத்தை மட்டுமே நம்பி இருக்கின்றன.

✳ என் எச்சம் ஒரு இடத்தில் இருப்பதால் எந்த பெரும் நோயும் ஏற்படாது. ஆனால் அவற்றை தொட்டுவது / தொடர்பில் வருவதன் மூலம் சில கிருமித்தொற்றுகள் ஏற்படலாம். எனவே எந்தவொரு விலங்கின் எச்சத்தை கையாளுவதைப்போல எங்களுடையதையும் கையுறை மற்றும் முகக்கவசத்துடன் கையாளவும். அது அடிப்படை சுகாதர விதி நண்பர்களே!

TAMIL

என் தனித்துவமான நோய் எதிர்ப்பாற்றல்

- ✳ எனது நோய் எதிர்ப்பாற்றல் மிகவும் தனித்துவமானது. அதனால் தான், பல வைரசுகள் என்னுள் வாழ்ந்தாலும் நான் அவற்றால் பாதிக்கப்படுவதில்லை.
- ✳ நான் பொதுவாக இந்த வைரசுகளை என்னுடன் தான் வைத்துக்கொள்வேன் ஆனால், மனிதர்கள் என் வாழ்விடங்களை அழிப்பதால் நான் உங்களுடன் தொடர்பில் வரும் சூழல் ஏற்படுகிறது. என்னை நீங்கள் சீண்டாமலிருந்தால் நானும் அவ்வாறே நடந்து கொள்கிறேன்.

- ✳ தற்போது பரவிவரும் புதிய கொரேனா வைரசானது என்னுள் இருக்கும் சில வைரசுகளுடன் பரினாம ரீதியில் தொடர்புபட்டுள்ளதே தவிர, அது என்னிடமிருந்து நேரடியாக உங்களுக்கு வரவில்லை.
- ✳ என் அதீத நோயாற்றல் திறனை படித்து அத்திறனை மனிதர்களுக்கு புகுத்தும் ஆய்வுகளில் ஆய்வாளர்கள் ஈடுபடுவதாக நான் கேள்விப்படுகிறேன்!

richa

TAMIL

என்னைக் கொல்வதால் கொரோனா நோய்த்தொற்று /எந்தவொரு நோயையும் கட்டுப்படுத்த முடியாது. அதுபோன்ற செயல்கள் சூழலியல் சமநிலையை குலைப்பதோடு மேலும் பல விலங்கியத்தொற்று நோய்களை நமக்கிடையே பரவ வழிவகுக்கும். நான் உயிருடன் இருந்தால் இவ்வுலகை மீண்டும் பசுமையாக்க உதவுவேன்.

பேட்மேன் எனபவன் என் தனித்துவமான சிறப்பம்சங்களை தழுவி உருவாக்கப்பட்ட ஒரு கற்பனையே. ஆனால் நான் உண்மையாவேன்.

richa

TAMIL

ளங்களை சீண்டுவதை விடுத்து இணைக்கப்பட்டுள்ள
வழிமுறைகளைப் பின்பற்றி தங்களை கொரோனாவிலிருந்து
காத்துக்கொள்ளுங்கள் : www.who.int

Thanks for watching!! Do help protect this
fascinating species!

CREDITS:

Concept, design & illustration: Richa Kedia

Technical Inputs: Rohit Chakravarty

Tamil Translation: Baheerathan M.

Media coverages and/or mentions of the Press Release on Bats and COVID-19

1. MongabayIndia
Bats not the enemy in the fight against COVID-19
India's environmental science and conservation news
[https://india.mongabay.com/2020/04/bats-not-the-enemy-in-the-fight--against-covid-19/](https://india.mongabay.com/2020/04/bats-not-the-enemy-in-the-fight-against-covid-19/)

2. Freepressjournal India
Scientists explain why it's wrong to vilify and stigmatise bats for coronavirus
[https://www.freepressjournal.in/science/scientists-explain-why-its-wrong-to--vilify-and-stigmatise-bats-for-coronavirus](https://www.freepressjournal.in/science/scientists-explain-why-its-wrong-to-vilify-and-stigmatise-bats-for-coronavirus)

3. ThePrintIndia
Don't demonise bats, we need them: Researchers explain why 'mass hysteria' is uncalled for
[https://theprint.in/science/dont-demonise-bats-we-need-them-researchers--explain-why-massThe](https://theprint.in/science/dont-demonise-bats-we-need-them-researchers-explain-why-massThe)

4. TheMeghalaya Guardian 25-04-20

THE MEGHALAYA GUARDIAN

आपकी भाषा में आपकी बात
पूर्वोत्तर का सबसे अधिक पढ़ा जाने वाला हिंदी दैनिक
पूर्वांचलप्रहरी

2 Sensex rallies 986 pts; rate-sensitive stocks soar
5 COVID-19 exposes gaps in healthcare system: Health secy
10 Working from home? Avoid these 10 mistakes
11 Prince Charles launches emergency fund...

VOL. XXXI NO. 109 ■ RNI REGD. NO. 40948/90 SHILLONG ■ SATURDAY ■ APRIL 25, 2020 Online edition: http://mg.glpublications.in Total Pages: 12 Rs. 5.00

Over 87,000 farmers get financial aid

GUARDIAN NEWS BUREAU

SHILLONG, APR 24: Over 87,000 farmers have been provided with financial assistance in view of the ongoing COVID-19 lockdown.

According to a bulletin issued by the Chief Minister's Office (CMO), 87,189 farmers from the state have been provided with financial assistance under the PM Kisan Samman Nidhi.

It said that a total of 7288 people stranded in the different parts of the country were also provided with financial assistance (at Rs 3,000) under the CM's Special Grant.

● Scientists, conservationists bust 'myths' about bats and Covid-19

Bats do not spread COVID-19, claim researchers

GUARDIAN NEWS BUREAU

SHILLONG, APR 24: A collective of bat researchers and conservationists from South Asia has come together to debunk the widely prevalent fear of bats and their link to COVID-19.

"The world is currently battling a pandemic of an unprecedented magnitude. As scientists are struggling to trace the origin of the virus that jumped from animals to human beings, several factions of the media have already convicted bats of spreading COVID-19. What followed is a surge of requests from people demanding the killing or removal of the winged mammals from their neighbourhoods," stated a seven-point press release issued by 64 chiropterologists from 6 South Asian countries.

The researchers firmly clarified that bats do not spread COVID-19.

The group argues that the exact origin of SARS-CoV-2 (the novel coronavirus that causes COVID-19) is not known. Moreover, it diverged from the closest coronavirus found in bats called RaTG13, 40-70 years ago indicating that the bat virus cannot directly infect humans.

A recent study by the Indian Council of Medical Research (ICMR) found bat coronaviruses (BtCoV) in two species of Indian bats. The group elucidates that there is no cause for panic as these BtCoVs are not the same as SARS-CoV-2 and cannot cause COVID-19. The faeces of bats also do not pose a risk of spreading coronaviruses to humans. If bats are not complicit in spreading viruses then what led to the current pandemic?

"Human activities and encroaching upon wildlife habitats puts us at risk of encountering new viruses. These viruses may come from any wildlife species and not necessarily just bats. Thus, we need to modify human practices to prevent the emergence of new pathogens.", says Dr. Arinjay Banerjee, a postdoctoral researcher at McMaster University, Canada, who studies bat viruses and was part of the team that isolated the COVID-19 virus.

Changing human-wildlife interface, global wildlife trade and industrial livestock farming are all suspects in causing zoonotic disease outbreaks in the current scenario and in past epidemics.

The collective also bats in support of bats saying that they pollinate the flowers of plants of economic (Contd. on P-3)

Short Nosed Fruit Bat. Photo by Rajesh Puttaswamaiah

Lisbon court rejects Abu Salem's petition

NEW DELHI, APR 24: A Lisbon court has dismissed a petition by 1993-Mumbai blasts' case convict Abu Salem claiming that his extradition conditions were violated by India, officials said.

Rejecting the petition of gangster Salem, Lisbon Administrative Court 5 Organic Unit said it lacks jurisdiction in the matter as the subject is political and diplomatic in nature, they said.

Agencies

- Scientists, conservationists bust 'myths' about bats and Covid-19

Bats do not spread COVID-19, claim researchers

GUARDIAN NEWS BUREAU

SHILLONG, APR 24: A collective of bat researchers and conservationists from South Asia has come together to debunk the widely prevalent fear of bats and their link to COVID-19.

"The world is currently battling a pandemic of an unprecedented magnitude. As scientists are struggling to trace the origin of the virus that jumped from animals to human beings, several factions of the media have already convicted bats of spreading COVID-19. What followed is a surge of requests from people demanding the killing or removal of the winged mammals from their neighbourhoods," stated a seven-point press release issued by 64 chiropterologists from 6 South Asian countries.

The researchers firmly clarified that bats do not spread COVID-19.

The group argues that the exact origin of SARS-CoV-2 (the novel coronavirus that causes COVID-19) is not known. Moreover, it diverged from the closest coronavirus found in bats called RaTG13, 40-70 years ago indicating that the bat virus cannot directly infect humans.

Short Nosed Fruit Bat. Photo by Rajesh Puttaswamaiah

A recent study by the Indian Council of Medical Research (ICMR) found bat coronaviruses (BtCoV) in two species of Indian bats. The group elucidates that there is no cause for panic as these BtCoVs are not the same as SARS-CoV-2 and cannot cause COVID-19. The faeces of bats also do not pose a risk of spreading coronaviruses to humans. If bats are not complicit in spreading viruses then what led to the current pandemic?

"Human activities and encroaching upon wildlife habitats puts us at risk of encountering new viruses. These viruses may come from any wildlife species and not necessarily just bats. Thus, we need to modify human practices to prevent the emergence of new pathogens.", says Dr. Arinjay Banerjee, a postdoctoral researcher at McMaster University, Canada, who studies bat viruses and was part of the team that isolated the COVID-19 virus.

Changing human-wildlife interface, global wildlife trade and industrial livestock farming are all suspects in causing zoonotic disease outbreaks in the current scenario and in past epidemics.

The collective also bats in support of bats saying that they pollinate the flowers of plants of economic **(Contd. on P-3)**

CONTINUED FROM PAGE 1

Bats do not spread COVID-19, claim researchers

value, also mangroves that form a strong coastal shield. Insect-eating bats eat pest insects in agroeconomic plantations and mosquitoes, thereby contributing to the region's food security and our own health.

Unfortunately, the importance of bats has not been given due recognition by law. "Over 110 species of bats in India are unprotected in India, including the critically-endangered Kolar Leaf-nosed Bat. It is high time that the Indian government accord protection to these species," says Rajesh Puttaswamaiah who heads Bat Conservation India Trust.

Dr Uttam Saikia of Zoological Survey of India Shillong is also part of the research group.

The group has also give contacts of three scientists for further information in this regard: Rohit Chakravarty rohit.chakravarty77@gmail.com, Baheerathan Murugavel baheerathanm@gmail.com and Dr Uttam Saikia

5. Times of India, Mumbai 25-04-20

Experts bat for bats, insist mammals pose no virus risk

Alex.Fernandes
@timesgroup.com

Mumbai: Bats are not evil. If you think the winged mammals are sinister creatures post the coronavirus outbreak, a group of experts wants you to perish that thought.

People have been getting trees axed to keep bats out of their neighbourhood, said Baheerathan Murugavel, who is pursuing a PhD from Indian Institute of Science Education & Research, Thiruvananthapuram. "Unfounded fear of bats has made people in some cities ask civic officials to rid their backyards of bats. Their fears spring from misguided information and unverified facts," he said.

Across the world, citizens want bats killed or want to seal crevices where they roost.

Devna Arora

A fruit bat pup

So, 64 chiropterologists – bat experts — of six South Asian nations joined hands to clear the air. "The outbreak has fuelled misconceptions about bats. We aim to put out scientific information to dispel fears," said Murugavel.

Coronavirus is of different types. The one behind the current pandemic affecting humans is 'SARS-CoV-2'. The closest virus in bats is different, 'RaTG13', said Rohit Chakravarty from Nagpur, who is doing a PhD at Leibniz Institute for Zoo & Wildlife Research in Berlin. "The virus in bats and that in humans are different," he said, adding that bat droppings too pose no risk of spreading the coronavirus to humans.

The closest match of the virus in humans is found in one of 1,411 bat species. "The one in humans may have evolved from the one in bats, but the evolution happened via an unidentified intermediary host," said Chakravarty.

So, those trying to kill bats could be gunning for the wrong species, he said. "Even if you do get the right one, it's of no use as the bat virus does not affect humans."

6. The Shillong Times, Dr. Uttam Saikia, Zoological Survey of India, Shillong, India

Researchers bust myths on bats' link with COVID-19

By Our Reporter

SHILLONG: With the surge in demand to kill or remove bats from neighbourhoods following COVID-19 outbreak, the researchers have called for their protection.

Responding to the ecological crisis, a collective of bat researchers and conservationists from South Asia has come together to debunk the widely prevalent fear of bats and their link to COVID-19.

Scientists are struggling to trace the origin of the virus that jumped from animals to human beings.

In a statement, 64 chiropterologists from six South Asian countries have clarified that bats do not spread COVID-19. The group argues that the exact origin of SARS-CoV-2 (the novel coronavirus that causes COVID-19) is not known.

Moreover, it diverged from the closest coronavirus found in bats called RaTG13, 40-70 years ago indicating that the bat virus cannot directly infect humans.

A recent study by the Indian Council of Medical Research (ICMR) found bat coronaviruses (BtCoV) in two species of Indian bats.

The group elucidates that there is no cause for panic as these BtCoVs are not the same as SARS-CoV-2 and cannot cause COVID-19. The faeces of bats also do not pose a risk of spreading coronaviruses to humans.

'These viruses may come from any wildlife species and not necessarily just bats. Thus, we need to modify human practices to prevent the emergence of new pathogens'

According to the researchers, human activities and encroaching upon wildlife habitats put people at risk of encountering new viruses.

"These viruses may come from any wildlife species and not necessarily just bats. Thus, we need to modify human practices to prevent the emergence of new pathogens.", said Dr. Arinjay Banerjee, a postdoctoral researcher at McMaster University, Canada, who studies bat viruses and was part of the team that isolated the COVID-19 virus.

Changing human-wildlife interface, global wildlife trade and industrial livestock farming are all suspects in causing zoonotic disease outbreaks in the current scenario and in past epidemics.

The collective also said that the bats pollinate the flowers of plants of economic value, also mangroves that form a strong coastal shield. Insect-eating bats eat pest insects in agroeconomic plantations and mosquitoes, thereby contributing to the region's food security and health.

"Over 110 species of bats in India are unprotected, including the critically-endangered Kolar Leaf-nosed bat. It is high time that the Indian government accord protection to these species," says Rajesh Puttaswamaiah, who heads Bat Conservation India Trust.

7. Sanctuary Nature Foundation

https://www.sanctuarynaturefoundation.org/newsroom/myths-on-bats-and--covid-19

8. The Hindu online- 26-04-20

Stop villainising bats, say scientists and conservationists

https://www.thehindu.com/sci-tech/energy-and-environment/stop-villainising--bats-say-scientists-and-conservationists/article31429962.ece

9. The Hindu offline- 26-04-20

Stop villainising bats, say scientists, conservationists

ASWATHI PACHA

Unverified news and social media posts linking bats to the COVID-19 outbreak have led to widespread antipathy and there have been increasing incidents of the public destroying bat roosts and smoking them out. To raise awareness, 64 chiropterologists (those who study bats) from six South Asian countries have released a document clarifying the myths about bats and strongly affirming that bats do not spread COVID-19.

They also clarify that the bat coronaviruses (BtCoV) found in two species of Indian bats (in a recent Indian Council of Medical Research study) are not the same as SARS-CoV-2 and cannot cause COVID-19.

"Human activities and encroaching upon wildlife habitats puts us at risk of encountering new viruses. We need to modify human practices to prevent the emergence of new pathogens.", says Arinjay Banerjee, a postdoctoral researcher at McMaster University, Canada in the release. He studies bat viruses and was part of the team that isolated the COVID-19 virus.

Preserve environment: Destroying habitats can cause changes to the spread of other viruses from other animals to humans. ▪ G. RAMAKRISHNA

Origin unknown

The researchers write that the exact origin of SARS-CoV-2 is still unknown and it is premature to blame bats or any other animal for the pandemic.

"Killing bats and destroying their habitats can be more harmful as this can lead to bats spreading out their habitat. We should remember that all wild animals harbour viruses and it is very biased and unfair to point fingers only at bats. If we keep destroying habitats there are changes of the spread of other viruses from other animals to humans," explains Harish Prakash, Ph.D. scholar, at the Centre for Ecological Sciences, Indian Institute of Science, Bengaluru, to *The Hindu*.

The researchers and conservationists highlight that bats perform vital ecosystem services such as pollination, pest control, and provide intangible economic benefits.

They urge the governments of South Asian countries to strengthen the legal framework to protect bats. As only two species (out of 128) are protected by law in India, the researchers ask the government to reconsider and reinforce the laws governing bat conservation.

They write: "The current pandemic is an outcome of the ongoing ecological destruction, increasing intensification of livestock farming and wildlife trade. We request the media to not oversimplify scientific evidence, to emphasise the role of humans in disease outbreaks, and to highlight the importance of coexistence with bats in urban landscapes."

===Bengali===

10. The wall

https://www.thewall.in/news-myths-about-bats-and-covid-19/

11. The Times of India Bangalore online 27-04-2020.

Don't villainize bats: Researchers bust Covid-19 myths | India News - Times of India

https://timesofindia.indiatimes.com/india/dont-villainize-bats-researchers-bust-covid-19-myths/articleshow/75390401.cms

12. The Times of India, Bangalore offline 27-04-2020.

Bats are not the culprit, say global researchers

Chethan.Kumar
@timesgroup.com

VITAL PART OF ECOSYSTEM

64 researchers say ICMR study shows bats found in India do not carry the virus which causes Covid-19

- Moreover, there is still no evidence to suggest the current pandemic originated in bats
- Killing bats or evicting them from their roosts in retaliation is counterproductive
- Bats perform vital ecosystem services – they pollinate flowers and many commercially and culturally important plants
- Society needs more awareness, they say

Bengaluru: A team of researchers based in various universities and conservation organisations in nine countries including India, Germany, UK, Australia and US, have urged people not to villainise bats which have been widely blamed – wrongly as the researchers point out – for the genesis of the current pandemic.

Several unverified social media posts have led to widespread antipathy and fear over bats among the general public in India resulting in a spike in the number of people demanding colonies of bats be removed from their neighbourhoods and destruction of bat roosts. The researchers say the viruses found in two species of bats found in India as per the most recent ICMR study, are different from the one that causes Covid-19 and therefore cannot spread the disease.

Researchers also argue that it is premature and unfair to blame bats or any other animal for the pandemic, given that the exact origin of the Covid-19 virus or its precursor is still not known.

"Information on current, and past zoonotic disease outbreaks suggest global wildlife trade and/or large-scale industrial livestock farming play an important role in such events. Killing bats and other wild animals, or evicting them from their roosts in retaliation is counterproductive and will not solve any problems," a joint statement by 64 researchers reads.

They argue that bats, in fact, perform vital ecosystem services: They pollinate flowers of some mangroves, and many other commercially and culturally important plants. Insect-eating bats are voracious eaters of pests which target rice, corn, cotton and potentially tea plantation. Therefore, they say, bats benefit the ecology and human health, and provide intangible economic benefits.

Stating that none of the South Asian bats are proven to be natural reservoirs of the Covid-19 virus, they also point out scientists strongly suggest that it is highly unlikely for the viruses to jump directly from bats to humans. Also, there is no evidence of humans contracting coronavirus or any such viruses through excreta of bats.

Recently, an ICMR study found bat coronaviruses (BtCoV) in the common Indian flying fox and fulvous fruit bat. "However, less than 5% of the screened samples contained this BtCoV and, as the study mentions, it is very distantly-related to SARS-CoV-2 [which causes Covid-19] and hence cannot cause Covid-19," they said.

"Society needs more awareness on bats around them in addition to epidemiological facts for a healthy coexistence. We urge governments of South Asian countries to strengthen the legal framework to protect bats in view of the services they render to the ecosystem and their slow breeding capacity," the researchers further added.

===Tamil===

13. Polimer News: Tamil Nadu

https://www.youtube.com/watch?v=mmCmLvo_dV4&feature=youtu.be

14. The News Minute for this detailed coverage.

COVID-19: Scientists, conservationists urge public not to destroy bat habitats

https://www.thenewsminute.com/article/covid-19-scientists-conservationists-urge-public-not-destroy-bat-habitats-123441

===Bengali===

15. 2 Bengali dailies "Uttarer Saradin" & "Anondobajar Patrika" 28-04-20

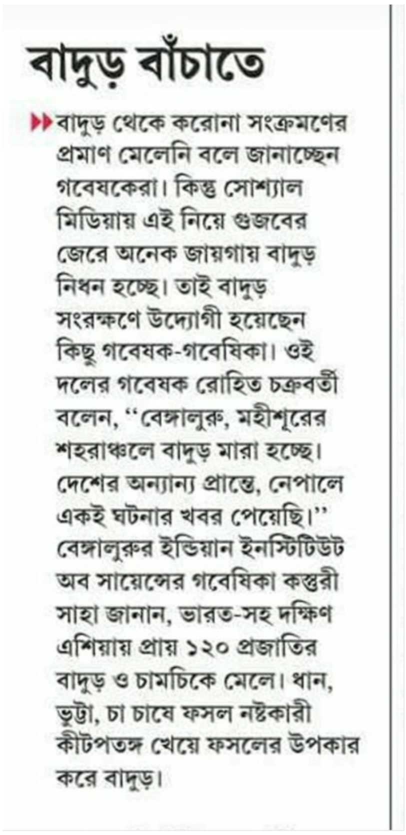

বাদুড় বাঁচাতে

বাদুড় থেকে করোনা সংক্রমণের প্রমাণ মেলেনি বলে জানাচ্ছেন গবেষকেরা। কিন্তু সোশ্যাল মিডিয়ায় এই নিয়ে গুজবের জেরে অনেক জায়গায় বাদুড় নিধন হচ্ছে। তাই বাদুড় সংরক্ষণে উদ্যোগী হয়েছেন কিছু গবেষক-গবেষিকা। ওই দলের গবেষক রোহিত চক্রবর্তী বলেন, "বেঙ্গালুরু, মহীশূরের শহরাঞ্চলে বাদুড় মারা হচ্ছে। দেশের অন্যান্য প্রান্তে, নেপালে একই ঘটনার খবর পেয়েছি।" বেঙ্গালুরুর ইন্ডিয়ান ইনস্টিটিউট অব সায়েন্সের গবেষিকা কস্তুরী সাহা জানান, ভারত-সহ দক্ষিণ এশিয়ায় প্রায় ১২০ প্রজাতির বাদুড় ও চামচিকে মেলে। ধান, ভুট্টা, চা চাষে ফসল নষ্টকারী কীটপতঙ্গ খেয়ে ফসলের উপকার করে বাদুড়।

করোনায় বাদুড়-চামচিকেকে শত্রু ভাবা বন্ধ করুন

কস্তুরী সাহা

ভারতের শহর ও গ্রাম দুই অঞ্চলেই বাদুড় অপসারণের জন্য গাছকাটা, বাজি ফাটানো বা ধোঁয়া ব্যবহার করে তাদের তাড়ানো, ছোট গর্ত ও ফাটলগুলি বোঁজানো হচ্ছে যেখানে বাদুড়/চামচিকে তাদের বাচ্চাদের নিয়ে বাস করে থাকে। তাই এই গুজবগুলি দূর করতে উপযুক্ত বৈজ্ঞানিক গবেষণাদির উল্লেখসহ, ব্যাট গবেষণা ও সংরক্ষণে জড়িত এই দল জানিয়েছে যে বাদুড় বা চামচিকে সরাসরি মানুষের স্বাস্থ্যের কোনও ক্ষতি করে না।

===Assamese===
16. 28-04-20

দৈনিক অসম

গুৱাহাটী আৰু ডিব্ৰুগড়ৰ পৰা প্ৰকাশিত

১০ সন্ত্ৰাসবাদী নিহত
■ আগত আছে ভাৰত

৩ ভ্ৰাম্যমাণ
■ অনলাইন পাঠদান

৮ মেদবহুলতা প্ৰতিৰোধ
■ ৰোগৰ প্ৰতিৰোধী আহাৰ

স·ঞ্জী·ৱ·নী

১২ নিষিদ্ধ আকমল
■ বিবেচনা ৰবেনৰ

RN-11989/65 RNP/GH-104/09-11 ■ ৫৫ বছৰ ■ ২৫৯ সংখ্যা, ১৫ ব'হাগ, মঙলবাৰ, ১৯৪২ শক ■ DAINIK ASAM : Assamese Daily ■ VOL. 55 NO. 259 ■ GUWAHATI, TUESDAY, APRIL 28, 2020 ■ পৃষ্ঠা ১২ (Pages 12) ■ ৬.০০ টকা (Rs. 6.00)

দানা, চাপৰত ৰেহাই দিয়ক, ঘাঁহৰ বীজ দিয়ক ঃ বিশেষজ্ঞ-ব্যৱসায়ীৰ পৰামৰ্শ

পথাৰলৈ যাওক ৰাজ্যৰ বিজ্ঞানী-বিষয়া

■ অৰূপ শাণ্ডিল্য

গুৱাহাটী, ২৭ এপ্ৰিল ঃ ৰাজ্যৰ দুই কোটি জনতো অধিক লোক প্ৰত্যক্ষ-পৰোক্ষভাৱে জড়িত কৃষি আৰু আনুষংগিক ক্ষেত্ৰ লকডাউনৰ সময়ত অভাৱনীয় বিপৰ্যয়ৰ সন্মুখীন হৈছে। চৰকাৰৰ উপযুক্ত নীতি অবিহনে মাত্ৰ সাময়িক কিছু ঘোষণা, আশ্বাস আৰু কৃষক বুলি বাচ-বিচাৰ নকৰাকৈ একাউণ্টত জমা কৰা কিছু ধনে এই খণ্ডটোক সংকটৰপৰা মুক্ত কৰিব নোৱাৰে। অথচ দেশৰ প্ৰখ্যাত কৃষি অৰ্থনীতিবিদ, নীতি বিশ্লেষকসকলৰ মতে— অসমৰ লগতে সমগ্ৰ দেশৰ ভাগিপৰা অৰ্থনীতি মাত্ৰ কৃষিৰ জৰিয়তেহে পুনৰুদ্ধাৰ সম্ভৱ। তাৰ বাবে প্ৰয়োজন উপযুক্ত নীতিৰ। যদিহে কোনো কাৰ্যকৰী পদক্ষেপ গ্ৰহণ নকৰে, লকডাউন আৰু পৰৱৰ্তী সময়ত এই খণ্ডটোৰ সৈতে জড়িত কোটি কোটি লোকৰ জীৱন-জীৱিকালৈ প্ৰচণ্ড সংকট আহি পৰিব। সেয়ে সময় থাকোঁতেই নীতি যুগুত কৰা আৰু নীতি যুগুত কৰোঁতে ৰাজ্যৰ প্ৰকৃত কৃষকৰ পৰামৰ্শাৱলী গ্ৰহণ কৰাটো আৱশ্যকীয় হৈ পৰিছে।

বৰপেটা জিলাৰ বৃহত্তৰ বজালী অঞ্চলৰ ২২ খন সমবায় সমিতিৰ অধীনৰ ২৫০০ ঘৰ লোকৰ উপৰি সমবায় সমিতিত অন্তৰ্ভুক্ত নোহোৱা কেইবা হাজাৰ লোকেও গো-পালন কৰি গাখীৰ উৎপাদন কৰি আছে। সমবায় সমিতি কেইখনৰ সমন্বয়ৰক্ষী সমিতিসমূহৰ হিচাপ মতে, বৃহত্তৰ বজালীত সমুদায় মিলি দৈনিক ৩০-৩৫ হাজাৰ লিটাৰ গাখীৰ উৎপাদন হয়। ২ পৃষ্ঠাত চাওক

ক'ৰ'না ঃ বাদুলীক লৈ অযথা আতংকৰ কাৰণ নাই

গৱেষক-বিজ্ঞানীৰ নিশ্চয়তা

দৈনিক অসমৰ বাতৰি

গুৱাহাটী, ২৭ এপ্ৰিল ঃ বাদুলীৰপৰা মানুহলৈ কোভিড-১৯ বিয়পাৰ স্পষ্ট প্ৰমাণ নাই। এছিয়াৰ তিনি কুৰিতো অধিক বাদুলীৰ অধ্যয়ন-গৱেষণাৰে জড়িত গৱেষক-বিজ্ঞানীয়ে এই অভয় বাণী দিছে ৰাইজক। বাদুলী কোভিড-১৯ৰ বাহক বুলি বিভিন্ন মাধ্যমত চলা অপপ্ৰচাৰৰ উত্তৰ দি এইসকল গৱেষক-বিজ্ঞানীয়ে স্পষ্ট কৰি দিছে যে বাদুলীৰ দ্বাৰাচলতে ২ পৃষ্ঠাত চাওক

Page 2 ctd

ক'ৰ'না ঃ বাদুলীক লৈ অযথা

জৈৱ-বৈচিত্ৰ্যত প্ৰভূত অৱদান আছে। বাদুলীয়ে আমাক বিভিন্ন ধৰণে সহায় কৰি আহিছে। সেয়ে এইসকল গৱেষক-বিজ্ঞানীয়ে বাদুলী মৰা, বাদুলী থকা গছ কটা, বাদুলী খেদিবলৈ ধোঁৱা দিয়া আদিৰপৰা বিৰত থাকিবলৈ ৰাইজলৈ আহ্বান জনাইছে। গৱেষক-বিজ্ঞানীসকলে এক বিবৃতিৰ জৰিয়তে ৰাইজক বাদুলীক শত্ৰু জ্ঞান নকৰিবলৈ অনুৰোধ কৰিছে। বিবৃতিত স্বাক্ষৰ কৰা ৬৪জনৰ অন্যতম জুলজিকেল ছাৰ্ভে অৱ্ ইণ্ডিয়াৰ শিলঙৰ বিজ্ঞানী ড° উত্তম শইকীয়াই কয়— 'বাদুলীয়ে ৫০০মান প্ৰজাতিৰ বিভিন্ন গছ-গছনিৰ পৰাগ যোগ ঘটোৱাৰ উপৰি বিভিন্ন কীট-পতংগ ভক্ষণ কৰি আমাৰ উপকাৰ সাধন কৰে। বনৰীয়া কল, আম, মধুৰিআম আদিৰ পৰাগ যোগ ঘটোৱাত সহায় কৰাৰ উপৰি মাখি, ম'হকে ধৰি খেতিৰ অনিষ্টকাৰী বিভিন্ন পোক-পতংগ খাই আমাক উপকাৰ কৰি আহিছে। বাদুলী নাথাকিলে অনিষ্টকাৰী কীট-পতংগৰ বাবে বহু খেতি কৰাটোৱেই সম্ভৱ নহ'লহেঁতেন। তদুপৰি বাদুলীয়ে বীজ এঠাইৰপৰা আন ঠাইলৈ কঢ়িয়াই নি গছ-গছনি গজাত সহায় কৰি আহিছে।' সৰুতে আমাৰ খেৰ-বাঁহৰ ঘৰত বা গোহালিত বা বাৰীৰ কলজোপাত বাদুলী আশ্ৰয় লৈ থকাৰ কথা উল্লেখ কৰি ড° শইকীয়াই কয়— তেনে বাদুলীয়ে আমাৰ অপকাৰ কৰা শুনা নাই। বাদুলীৰ ভাৰতত শতাধিক প্ৰজাতি আছে। এই আটাইবোৰে জৈৱ-বৈচিত্ৰ্যত ভূমিকা আছে।' বাদুলীয়ে বছৰেকত মাত্ৰ এটা পোৱালি দিয়ে বুলি উল্লেখ কৰি তেওঁ কয়— সেয়ে বাদুলী মাৰিলে, ইয়াৰ সংখ্যা কমি গ'লে আমাৰ জৈৱ-বৈচিত্ৰ্যত বিৰূপ প্ৰভাৱ পৰিব। ক'ৰ'না ভাইৰাছৰ ডাঙৰ পৰিয়ালটোৰ কোনোবাটো ভাইৰাছ চৰাই, স্তন্যপায়ী প্ৰাণীৰ দেহত থকাৰ কথা উল্লেখ কৰি তেওঁ কয়, 'তাৰ মানে এইটো নহয় যে ইয়াৰ বৰ্তমানৰ বিশ্বজুৰি ত্ৰাস সৃষ্টি কৰা ৰোগৰ সৈতে সম্পৰ্ক আছে।' বিজ্ঞানীজনে ৰাইজক অপপ্ৰচাৰ, উৰাবাতৰিত ভোল নাযাবলৈ আহ্বান জনাইছে। বাদুলী বিষয়ত ৰাইজক সজাগ কৰিবলৈ চেষ্টা কৰা গৱেষকসকলৰ ভিতৰত আছে ড° শেষাদ্ৰী বেদ এছ, (দ্য মাদ্ৰাজ ক্ৰোকোডাইল বেংক ট্ৰাষ্ট), বিদিশা কুলকাৰ্ণী (জৈন বিশ্ববিদ্যালয় আৰু গুবি লেবছ, বেংগালুৰু), শ্ৰীৰাজন আয়াৰ (ছালিম আলী চেণ্টাৰ ফৰ অৰ্নিথ'লজী এণ্ড নেচাৰেল হিষ্ট্ৰী), ডঃ পি আৰ আচাৰ্য (চেণ্ট্ৰেল কেম্পাছ অৱ্ ছায়েন্স এণ্ড টেক'নলজী, নেপাল), সাজভীৰ বাশিয়া (নেপাল ব্যাট ৰিছাৰ্চ এণ্ড কনজাৰভেছন ইউনিয়ন), অধ্যাপক জি মাৰিমুথু (মাদুৰাই কামৰাজ বিশ্ববিদ্যালয়), টি কুচুফিদা (ৰুহুনা বিশ্ববিদ্যালয়, শ্ৰীলংকা), চাংগে চেৰিং (কলেজ অৱ্ নেচাৰেল ৰিছ'ৰ্চেজ, ভূটান), ড° মহম্মদ নুৰুল ইছলাম (গ্লোবেল হেল্থ ডেভেল'পমেণ্ট, বাংলাদেশ) আদি।

SITUATION VACANT

Required retired persons & Entrepreneurs for MNC. Earning Rs. 45,000/-. Work from home. Contact : 96781-80856.
SV/P/AC000035/8

Banking HR firm looking for Consultancy, Institute to provide candidates for Executive/ Officer/Manager. Call : 94010-08092 Whatsapp : 90507-91704.
SV/P/AC000038/1

TO-LET

1 BHK (ground floor) at Rupnagar for family Rs. 11,000/- (no car parking) Mob : 94350-11205.
TL/P/SP000016/3

===Bengali===
17. Translated headline: COVID-19: The draculisation of the bats vs the real truth (29-04-20)
https://4numberplatform.com/?p=18642

===Tamil===
18. Tamil daily "Dinamalar" on 25-04-20.
Bats are not to blame for coronavirus
https://www.dinamalar.com/news_detail.asp?id=2527735

===Kannada===
19. "Prajavani"
https://www.prajavani.net/stories/stateregional/bat-protection-723166.html

20. Conservation India (29-04-20). P
Stop Villainizing Bats: Scientists and Conservationists Bust Myths About Bats and COVID-19
https://www.conservationindia.org/articles/stop-villainizing-bats-scientists--and-conservationists-bust-myths-about-bats-and-covid-19

21. TheHindustan Times
Bats cannot directly infect humans with Covid-19: Scientists
https://m.hindustantimes.com/india-news/bats-cannot-directly-infect-humans-with-covid-19-scientists/story-uuEwHKcI0x266H1fxawFbN.html

22. Arunachal times 25-04-20.
https://arunachaltimes.in/index.php/2020/04/25/stop-villainizing-bats--scientists-and-conservationists-bust-myths-about-bats-and-covid-19/

23. ANN_Newsable on 28-04-20.
South Asian scientists and conservationists bust myths about bats and COVID-19
https://newsable.asianetnews.com/world/south-asian-scientists-and-conservationists-bust-myths-about-bats-and-covid-19-q9ht45

===Tamil===
24. SamayamTamil 26-04-20.
https://tamil.samayam.com/latest-news/international-news/stop-villainising--bats-say-scientists-and-conservationists/articleshow/75387182.cms

25. Times of India Jaipur offline 27-04-20.

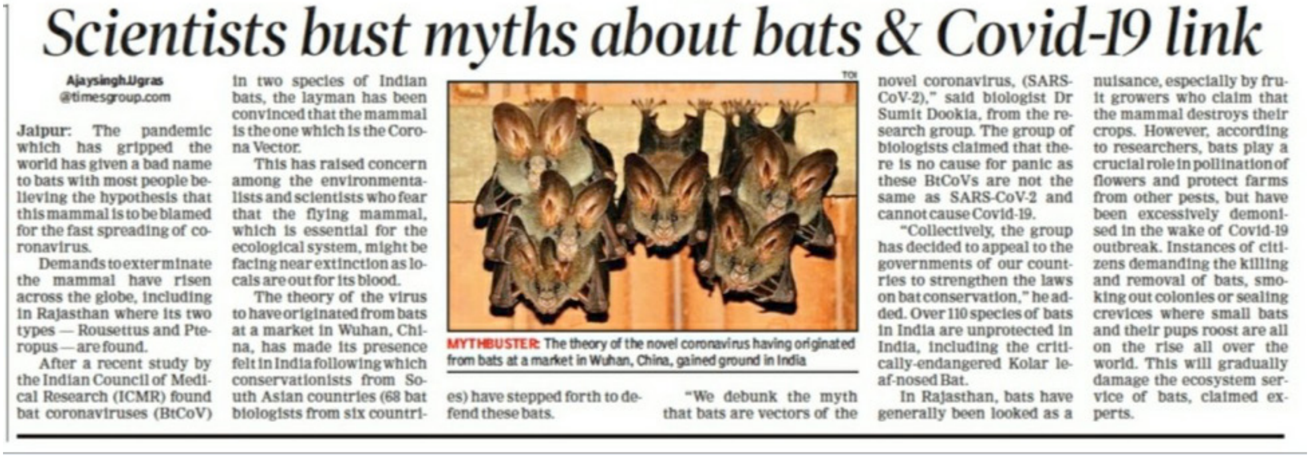

Scientists bust myths about bats & Covid-19 link

Ajaysingh.Ugras
@timesgroup.com

Jaipur: The pandemic which has gripped the world has given a bad name to bats with most people believing the hypothesis that this mammal is to be blamed for the fast spreading of coronavirus.

Demands to exterminate the mammal have risen across the globe, including in Rajasthan where its two types — Rousettus and Pteropus — are found.

After a recent study by the Indian Council of Medical Research (ICMR) found bat coronaviruses (BtCoV) in two species of Indian bats, the layman has been convinced that the mammal is the one which is the Corona Vector.

This has raised concern among the environmentalists and scientists who fear that the flying mammal, which is essential for the ecological system, might be facing near extinction as locals are out for its blood.

The theory of the virus to have originated from bats at a market in Wuhan, China, has made its presence felt in India following which conservationists from South Asian countries (68 bat biologists from six countries) have stepped forth to defend these bats.

"We debunk the myth that bats are vectors of the novel coronavirus, (SARS-CoV-2)," said biologist Dr Sumit Dookia, from the research group. The group of biologists claimed that there is no cause for panic as these BtCoVs are not the same as SARS-CoV-2 and cannot cause Covid-19.

"Collectively, the group has decided to appeal to the governments of our countries to strengthen the laws on bat conservation," he added. Over 110 species of bats in India are unprotected in India, including the critically-endangered Kolar leaf-nosed Bat.

In Rajasthan, bats have generally been looked as a nuisance, especially by fruit growers who claim that the mammal destroys their crops. However, according to researchers, bats play a crucial role in pollination of flowers and protect farms from other pests, but have been excessively demonised in the wake of Covid-19 outbreak. Instances of citizens demanding the killing and removal of bats, smoking out colonies or sealing crevices where small bats and their pups roost are all on the rise all over the world. This will gradually damage the ecosystem service of bats, claimed experts.

TOI

MYTHBUSTER: The theory of the novel coronavirus having originated from bats at a market in Wuhan, China, gained ground in India

26. Times of India Jaipur online 28-04-20
Scientists bust myths about bats and Covid-19 | Jaipur News - Times of India
https://timesofindia.indiatimes.com/city/jaipur/scientists-bust-myths-about--bats-and-covid-19/articleshow/75396882.cms

===Bengali===
28. Bengali daily "Ei Samay" 01-05-20

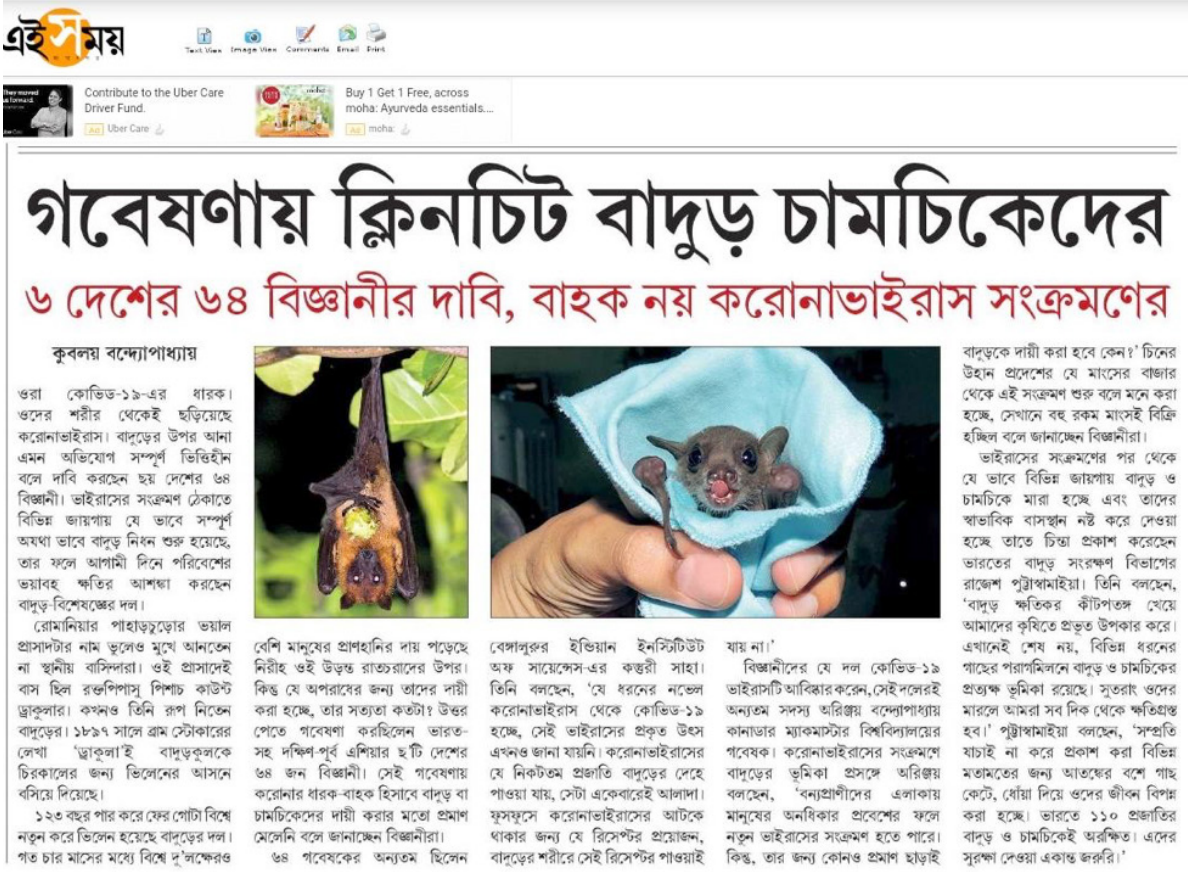

এই সময়

Text View Image View Comments Email Print

Contribute to the Uber Care Driver Fund.
Ad Uber Care

Buy 1 Get 1 Free, across moha: Ayurveda essentials....
Ad moha:

গবেষণায় ক্লিনচিট বাদুড় চামচিকেদের

৬ দেশের ৬৪ বিজ্ঞানীর দাবি, বাহক নয় করোনাভাইরাস সংক্রমণের

কুবলয় বন্দ্যোপাধ্যায়

ওরা কোভিড-১৯-এর ধারক। ওদের শরীর থেকেই ছড়িয়েছে করোনাভাইরাস। বাদুড়ের উপর আনা এমন অভিযোগ সম্পূর্ণ ভিত্তিহীন বলে দাবি করছেন ছয় দেশের ৬৪ বিজ্ঞানী। ভাইরাসের সংক্রমণ ঠেকাতে বিভিন্ন জায়গায় যে ভাবে সম্পূর্ণ অযথা ভাবে বাদুড় নিধন শুরু হয়েছে, তার ফলে আগামী দিনে পরিবেশের ভয়াবহ ক্ষতির আশঙ্কা করছেন বাদুড়-বিশেষজ্ঞের দল।

রোমানিয়ার পাহাড়চুড়োর ভয়াল প্রাসাদটার নাম ভুলেও মুখে আনতেন না স্থানীয় বাসিন্দারা। ওই প্রাসাদেই বাস ছিল রক্তপিপাসু পিশাচ কাউন্ট ড্রাকুলার। কখনও তিনি রূপ নিতেন বাদুড়ের। ১৮৯৭ সালে ব্রাম স্টোকারের লেখা 'ড্রাকুলা'ই বাদুড়কুলকে চিরকালের জন্য ভিলেনের আসনে বসিয়ে দিয়েছে।

১২৩ বছর পার করে ফের গোটা বিশ্বে নতুন করে ভিলেন হয়েছে বাদুড়ের দল। গত চার মাসের মধ্যে বিশ্বে দু'লক্ষেরও বেশি মানুষের প্রাণহানির দায় পড়েছে নিরীহ ওই উড়ন্ত রাতচরাদের উপর। কিন্তু যে অপরাধের জন্য তাদের দায়ী করা হচ্ছে, তার সত্যতা কতটা? উত্তর পেতে গবেষণা করছিলেন ভারত-সহ দক্ষিণ-পূর্ব এশিয়ার ছ'টি দেশের ৬৪ জন বিজ্ঞানী। সেই গবেষণায় করোনার ধারক-বাহক হিসাবে বাদুড় বা চামচিকেদের দায়ী করার মতো প্রমাণ মেলেনি বলে জানাচ্ছেন বিজ্ঞানীরা।

৬৪ গবেষকের অন্যতম ছিলেন বেঙ্গালুরুর ইন্ডিয়ান ইনস্টিটিউট অফ সায়েন্সেস-এর কস্তুরী সাহা। তিনি বলছেন, 'যে ধরনের নভেল করোনাভাইরাস থেকে কোভিড-১৯ হচ্ছে, সেই ভাইরাসের প্রকৃত উৎস এখনও জানা যায়নি। করোনাভাইরাসের যে নিকটতম প্রজাতি বাদুড়ের দেহে পাওয়া যায়, সেটা একেবারেই আলাদা। ফুসফুসে করোনাভাইরাসের আটকে থাকার জন্য যে রিসেপ্টর প্রয়োজন, বাদুড়ের শরীরে সেই রিসেপ্টর পাওয়াই যায় না।'

বিজ্ঞানীদের যে দল কোভিড-১৯ ভাইরাসটি আবিষ্কার করেন, সেই দলেরই অন্যতম সদস্য অরিঞ্জয় বন্দ্যোপাধ্যায় কানাডার ম্যাকমাস্টার বিশ্ববিদ্যালয়ের গবেষক। করোনাভাইরাসের সংক্রমণে বাদুড়ের ভূমিকা প্রসঙ্গে অরিঞ্জয় বলছেন, 'বন্যপ্রাণীদের এলাকায় মানুষের অনধিকার প্রবেশের ফলে নতুন ভাইরাসের সংক্রমণ হতে পারে। কিন্তু, তার জন্য কোনও প্রমাণ ছাড়াই বাদুড়কে দায়ী করা হবে কেন?' চিনের উহান প্রদেশের যে মাংসের বাজার থেকে এই সংক্রমণ শুরু বলে মনে করা হচ্ছে, সেখানে বহু রকম মাংসই বিক্রি হচ্ছিল বলে জানাচ্ছেন বিজ্ঞানীরা।

ভাইরাসের সংক্রমণের পর থেকে যে ভাবে বিভিন্ন জায়গায় বাদুড় ও চামচিকে মারা হচ্ছে এবং তাদের স্বাভাবিক বাসস্থান নষ্ট করে দেওয়া হচ্ছে তাতে চিন্তা প্রকাশ করেছেন ভারতের বাদুড় সংরক্ষণ বিভাগের রাজেশ পুট্টাস্বামাইয়া। তিনি বলছেন, 'বাদুড় ক্ষতিকর কীটপতঙ্গ খেয়ে আমাদের কৃষিতে প্রভূত উপকার করে। এখানেই শেষ নয়, বিভিন্ন ধরনের গাছের পরাগমিলনে বাদুড় ও চামচিকের প্রত্যক্ষ ভূমিকা রয়েছে। সুতরাং ওদের মারলে আমরা সব দিক থেকে ক্ষতিগ্রস্ত হব।' পুট্টাস্বামাইয়া বলছেন, 'সম্প্রতি যাচাই না করে প্রকাশ করা বিভিন্ন মতামতের জন্য আতঙ্কের বশে গাছ কেটে, ধোঁয়া দিয়ে ওদের জীবন বিপন্ন করা হচ্ছে। ভারতে ১১০ প্রজাতির বাদুড় ও চামচিকেই অরক্ষিত। এদের সুরক্ষা দেওয়া একান্ত জরুরি।'

29. Scroll.in
Covid-19: Misinformed Indians are on a 'witch hunt' to get rid of bats
https://scroll.in/article/960269/covid-19-misinformed-indians-are-on-a-witch-hunt-to-get-rid-of-bats

30. Wildlife Conservation Trust
South Asian Scientists and Conservationists Bust Myths About Bats and COVID-19 - Wildlife Conservation Trust
https://www.wildlifeconservationtrust.org/busting-myths-about-bats-and--covid-19/

31. Deccan Herald
Coronavirus: Scientists go to bat for bats
https://www.deccanherald.com/city/coronavirus-scientists-go-to-bat-for--bats-832193.html

32. A blogpost named "under the banyan"
The coronavirus backlash against bats is a bad idea
https://underthebanyan.blog/2020/05/05/the-coronavirus-backlash-against--bats-is-a-bad-idea/

===Hindi===
33. Rajasthan Patrika 06-05-20

किसानों और प्रकृति के मित्र

चमगादड़ों को नहीं मारने की अपील

पत्रिका एक्सक्लूसिव

जोधपुर शहर सहित जिले में 11 व पश्चिमी राजस्थान में 15 प्रजातियां हैं मौजूद

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जोधपुर में चमगादड़ों की 11 प्रजातियां

जोधपुर शहर में मेहरानगढ़, रेलवे स्टेशन, सूरसागर महल, भीम भड़क, रेल प्रबंधक कार्यालय, बालसमंद व बड़ली, मंडोर उद्यान विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में वीरान पड़ी हवेलियों और घरों में टेरोपस जाइजेन्टियस याने फलखोर चमगादड़ों सहित कुल 11 प्रजातियां है। पश्चिमी राजस्थान के जिलों में 15 चमगादड़ों की प्रजातियां है।

जोधपुर ◆ दक्षिण एशियाई वैज्ञानिकों और चमगादड़ संरक्षणकर्ताओं के एक समूह ने चमगादड़ और कोविड-19 के आपसी संबंध/मिथकों के बारे में संयुक्त रूप से व्यक्तव्य जारी कर किसान और प्रकृति के मित्र चमगादड़ों को नहीं मारने की अपील की है। इन दिनों सोशल मीडिया और टीवी पर अभूतपूर्व वैश्विक महामारी के लिए चमगादड़ को कोविड-19 के स्रोत के रूप में दर्शाया जा रहा है। कुछ संदेशों में जनता से चमगादड़ों को अपने घरों के आस-पास से हटाने, उनके रहने के स्थानों पर पटाखे फोड़ने या नष्ट करने का अनुरोध के बाद चमगादड़ों को मारने की घटनाओं में अप्रत्याशित रूप से बढ़ोतरी हुई है। पश्चिमी राजस्थान के विभिन्न जिलों में एक दशक तक चमगादड़ों पर शोधकर्ता और वर्तमान में गुरु गोबिन्दसिंह इन्द्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी दिल्ली के सहायक आचार्य डॉ. सुमित डूकिया ने बताया कि चमगादड़ से इंसान को किसी भी तरह से कोई प्रत्यक्ष मानव स्वास्थ्य खतरा नहीं है। सार्स जैसे वायरस के चमगादड़ से सीधे इंसानों तक पहुंचने की संभावना नहीं के बराबर है। साथ ही, चमगादड़ के उत्सर्जन (मल मूत्र) के माध्यम से कोरोनावायरस या किसी अन्य भी वायरस का मनुष्यों को सीधा प्रभावित करने का भी कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं हैं। चमगादड़ हमारे पारिस्थितिक तंत्र में महत्वपूर्ण सेवाएं देते हैं। वर्तमान में समाज को एक स्वस्थ और पारिस्थितिकीय सह-अस्तित्व के लिए चमगादड़ के बारे में महामारी विज्ञान के तथ्यों के साथ-साथ इनके जीवन के कई पहलुओं पर और अधिक जागरूकता की आवश्यकता है।

पत्रिका Wed, 06 May 2020
epaper.patrika.com/c/51646426

===Kannada===

34. Prajavani Article-Kalburgi Edition on Apr 19, 2020

ಬಾವಲಿಗಳಿಗೆ ಹಾನಿ ಮಾಡಿದರೆ ಕಠಿಣ ಕ್ರಮ: ಅರಣ್ಯ ಇಲಾಖೆ

ಬಾವಲಿಗಳಿಂದ ಕೋವಿಡ್: ಪುರಾವೆ ಇಲ್ಲ

ಪ್ರಜಾವಾಣಿ ವಾರ್ತೆ

ಬೆಂಗಳೂರು: ಬಾವಲಿಗಳಿಂದ ಕೋವಿಡ್ –19 ರೋಗ ಹಬ್ಬುತ್ತದೆ ಎಂಬ ವದಂತಿಯಿಂದ ರಾಜ್ಯದ ಕೆಲವೆಡೆ ಬಾವಲಿಗಳನ್ನು ಕೊಲ್ಲುವ ಹಾಗೂ ಅವುಗಳ ನೆಲೆಗಳನ್ನು ನಾಶಪಡಿಸುವ ಪ್ರಕರಣಗಳು ವರದಿಯಾಗುತ್ತಿವೆ. ಬಾವಲಿಗಳಿಂದ ಕೋವಿಡ್ 19 ರೋಗ ಹರಡುತ್ತದೆ ಎಂಬುದಕ್ಕೆ ಯಾವುದೇ ಪುರಾವೆಗಳಿಲ್ಲ ಎಂದು ಅರಣ್ಯ ಇಲಾಖೆ ಸ್ಪಷ್ಟಪಡಿಸಿದೆ.

'ಬಾವಲಿಗಳನ್ನು ಕೊಂದರೆ, ಅವುಗಳಿಗೆ ಅಥವಾ ನೆಲೆಗಳಿಗೆ ಹಾನಿ ಮಾಡಿದರೆ ವನ್ಯಜೀವಿ ಸಂರಕ್ಷಣಾ ಕಾಯ್ದೆ ಅಡಿ ಕ್ರಮ ಕೈಗೊಳ್ಳಲಿದ್ದೇವೆ' ಎಂದು ರಾಜ್ಯದ ಪ್ರಧಾನ ಮುಖ್ಯ ಅರಣ್ಯ ಸಂರಕ್ಷಣಾಧಿಕಾರಿ (ಪಿಸಿಸಿಎಫ್) ಪುನಟಿ ಶ್ರೀಧರ್ ಎಚ್ಚರಿಸಿದರು.

'ತಪ್ಪು ತಿಳಿವಳಿಕೆಯಿಂದ ಜನ ಬಾವಲಿಗಳಿಗೆ ಹಾನಿ ಮಾಡುತ್ತಿರುವುದು ಗಮನಕ್ಕೆ ಬಂದಿದೆ. ಅವುಗಳಿಂದ ಸೋಂಕು ಹಬ್ಬುವುದಿಲ್ಲ ಎಂದು ತಿಳಿವಳಿಕೆ ನೀಡುವಂತೆ ಅಧಿಕಾರಿಗಳಿಗೆ ಸೂಚನೆ ನೀಡಿದ್ದೇನೆ' ಎಂದು ಅವರು ತಿಳಿಸಿದರು.

ಇತ್ತೀಚೆಗೆ ಇಂಡಿಯನ್ ಜರ್ನಲ್ ಆಫ್ ಮೆಡಿಕಲ್ ರಿಸರ್ಚ್‌ನಲ್ಲಿ ದೇಶದ ಬಾವಲಿಗಳ ಎರಡು ಪ್ರಭೇದಗಳಲ್ಲಿ (ಟೀರೋಪಸ್ ಹಾಗೂ ರೌಸೆಟಸ್) ಕೊರೊನಾ ವೈರಾಣುಗಳು ಪತ್ತೆಯಾಗಿರುವ ಬಗ್ಗೆ ವರದಿ ಪ್ರಕಟವಾಗಿತ್ತು. ಇದು ಕೋವಿಡ್ 19 ರೋಗವೂ ಇವುಗಳಿಂದ ಹರಡುತ್ತದೆ ಎಂಬ ವದಂತಿ ಹುಟ್ಟಲು ಕಾರಣವಾಗಿತ್ತು.

ಬ್ಯಾಟ್ ಕನ್ಸರ್ವೇಷನ್ ಇಂಡಿಯಾ ಟ್ರಸ್ಟ್‌ನ ಟ್ರಸ್ಟಿ ರಾಜೇಶ್ ಪುಟ್ಟಸ್ವಾಮಯ್ಯ, 'ಕೊರೊನಾ ವೈರಾಣುಗಳ ಒಂದು ಕುಟುಂಬ. ಅವುಗಳಲ್ಲಿ ಅನೇಕ ಉಪ ಜಾತಿಗಳೂ ಇವೆ. ಕೆಲವು ಕೊರೊನಾ ವೈರಸ್‌ಗಳು ಶ್ವಾಸಕೋಶಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ಕಾಯಿಲೆಗೆ ಕಾರಣವಾಗುವುದೂ ನಿಜ. ಭಾರತದ ಬಾವಲಿಗಳಲ್ಲಿ ಕಂಡು ಬಂದಿರುವ ಕೊರೊನಾ ವೈರಸ್ ಹಾಗೂ ಕೋವಿಡ್ ರೋಗ ಹರಡುತ್ತಿರುವ ವೈರಸ್ ಬೇರೆ ಬೇರೆ. ಎಲ್ಲ ಕೊರೊನಾ ವೈರಸ್‌ಗಳಿಂದ ಕೋವಿಡ್ 19 ರೋಗ ಹರಡುವುದಿಲ್ಲ' ಎಂದರು.

'ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ಎರಡು ಬಗೆಯ ಬಾವಲಿಗಳಿವೆ. ದೊಡ್ಡ ಜಾತಿಯ ಬಾವಲಿಗಳು ಹೂಗಳ ಮಕರಂದ, ಚಿಗುರೆಲೆ ಹಾಗೂ ಹಣ್ಣುಗಳನ್ನು ಸೇವಿಸಿ ಜೀವಿಸುತ್ತವೆ. ಸಣ್ಣ ಜಾತಿಯ ಬಾವಲಿಗಳು ಹುಳ ಹುಪ್ಪಟೆ, ಕೀಟಗಳನ್ನು ತಿಂದು ಬದುಕುತ್ತವೆ. ಅವುಗಳಿಂದ ಜನರಿಗೆ ಅನೇಕ ಅನುಕೂಲಗಳಿವೆ. ಸಸ್ಯಗಳ ಪರಾಗಸ್ಪರ್ಶ ಕ್ರಿಯೆಗಳಲ್ಲಿ ಹಾಗೂ ಬೀಜ ಪ್ರಸಾರದಲ್ಲಿ ಅವುಗಳು ಮಹತ್ತರ ಪಾತ್ರ ವಹಿಸುತ್ತವೆ' ಎಂದು ವಿವರಿಸಿದರು.

'ಬಾವಲಿಗಳ ಬಹುತೇಕ ನೆಲೆಗಳು ನಾಶವಾಗಿವೆ. ಈಗ ತಪ್ಪು ಕಲ್ಪನೆಯಿಂದ ಅವುಗಳು ವಾಸಿಸುವ ಮರಗಳನ್ನು ಕೆಲವರು ಕಡಿಯುತ್ತಿರುವ ಬಗ್ಗೆ ದೂರುಗಳು ಬಂದಿವೆ. ಬೆಂಗಳೂರಿನ ಜೆ.ಪಿ.ನಗರದಲ್ಲೂ ಬಾವಲಿಗಳಿಗೆ ನೆಲೆ ಒದಗಿಸಿದ್ದ ಮರವೊಂದನ್ನು ಕಡಿಯಲು ಸ್ಥಳೀಯರು ಮುಂದಾಗಿದ್ದರು. ಬಾವಲಿಗಳನ್ನು ಕಳೆದುಕೊಂಡರೆ ನಮಗೇ ನಷ್ಟ' ಎಂದರು.

'ರೋಗ ತಡೆಯುವ ಬಾವಲಿಗಳು'

'ಬಾವಲಿಗಳು ನೈಸರ್ಗಿಕ ಸೊಳ್ಳೆ ನಿಯಂತ್ರಕಗಳು. ಒಂದು ಪ್ರಭೇದದ ಬಾವಲಿ ಗಂಟೆಗೆ ಸಾವಿರಕ್ಕೂ ಹೆಚ್ಚು ಸೊಳ್ಳೆಗಳನ್ನು ತಿನ್ನುತ್ತದೆ. ಅವುಗಳನ್ನು ಕಳೆದುಕೊಂಡರೆ ಸೊಳ್ಳೆಯಿಂದ ಹರಡುವ ಮಲೇರಿಯಾ, ಡೆಂಗಿಯಂತಹ ರೋಗ ಹೆಚ್ಚಬಹುದು' ಎಂದು ರಾಜೇಶ್ ಪುಟ್ಟಸ್ವಾಮಯ್ಯ ಎಚ್ಚರಿಸಿದರು.

ಬಾವಲಿಗಳನ್ನು ತಮ್ಮ ಪಾಡಿಗೆ ಬದುಕಲು ಬಿಟ್ಟರೆ ಮನುಷ್ಯನಿಗೆ ಅವುಗಳಿಂದ ಯಾವುದೇ ಅಪಾಯವಿಲ್ಲ. ಅವುಗಳನ್ನು ನಾಶಪಡಿಸಿದರೆ ಅಪಾಯ ಹೆಚ್ಚು

ರಾಜೇಶ್ ಪುಟ್ಟಸ್ವಾಮಯ್ಯ
ಬ್ಯಾಟ್ ಕನ್ಸರ್ವೇಷನ್ ಇಂಡಿಯಾ ಟ್ರಸ್ಟ್

35. Prajavani Article-Mysore Edition on Apr 19, 2020

ಬಾವಲಿಗಳಿಗೆ ಹಾನಿ ಮಾಡಿದರೆ ಕಠಿಣ ಕ್ರಮ: ಸ್ಪಷ್ಟನೆ

ಬಾವಲಿಗಳಿಂದ ಕೋವಿಡ್; ಪುರಾವೆ ಇಲ್ಲ: ಅರಣ್ಯ ಇಲಾಖೆ

ಪ್ರಜಾವಾಣಿ ವಾರ್ತೆ

ಬೆಂಗಳೂರು: ಬಾವಲಿಗಳಿಂದ ಕೋವಿಡ್ –19 ರೋಗ ಹಬ್ಬುತ್ತದೆ ಎಂಬ ವದಂತಿಯಿಂದ ರಾಜ್ಯದ ಕೆಲವೆಡೆ ಬಾವಲಿಗಳನ್ನು ಕೊಲ್ಲುವ ಹಾಗೂ ಅವುಗಳ ನೆಲೆಗಳನ್ನು ನಾಶಪಡಿಸುವ ಪ್ರಕರಣಗಳು ವರದಿಯಾಗುತ್ತಿವೆ. ಬಾವಲಿಗಳಿಂದ ಕೋವಿಡ್ 19 ರೋಗ ಹರಡುತ್ತದೆ ಎಂಬುದಕ್ಕೆ ಯಾವುದೇ ಪುರಾವೆಗಳಿಲ್ಲ ಎಂದು ಅರಣ್ಯ ಇಲಾಖೆ ಸ್ಪಷ್ಟಪಡಿಸಿದೆ.

'ಬಾವಲಿಗಳನ್ನು ಕೊಂದರೆ, ಅವುಗಳಿಗೆ ಅಥವಾ ನೆಲೆಗಳಿಗೆ ಹಾನಿ ಮಾಡಿದರೆ ವನ್ಯಜೀವಿ ಸಂರಕ್ಷಣಾ ಕಾಯ್ದೆ ಅಡಿ ಕ್ರಮ ಕೈಗೊಳ್ಳಲಿದ್ದೇವೆ' ಎಂದು ರಾಜ್ಯದ ಪ್ರಧಾನ ಮುಖ್ಯ ಅರಣ್ಯ ಸಂರಕ್ಷಣಾಧಿಕಾರಿ (ಪಿಸಿಸಿಎಫ್) ಪುನಟಿ ಶ್ರೀಧರ್ ಎಚ್ಚರಿಸಿದರು.

'ತಪ್ಪು ತಿಳಿವಳಿಕೆಯಿಂದ ಜನ ಬಾವಲಿಗಳಿಗೆ ಹಾನಿ ಮಾಡುತ್ತಿರುವುದು ಗಮನಕ್ಕೆ ಬಂದಿದೆ. ಅವುಗಳಿಂದ ಸೋಂಕು ಹಬ್ಬುವುದಿಲ್ಲ ಎಂದು ತಿಳಿವಳಿಕೆ ನೀಡುವಂತೆ ಅಧಿಕಾರಿಗಳಿಗೆ ಸೂಚನೆ ನೀಡಿದ್ದೇನೆ' ಎಂದು ಅವರು 'ಪ್ರಜಾವಾಣಿ'ಗೆ ತಿಳಿಸಿದರು.

ಇತ್ತೀಚೆಗೆ ಇಂಡಿಯನ್ ಜರ್ನಲ್ ಆಫ್ ಮೆಡಿಕಲ್ ರಿಸರ್ಚ್‌ನಲ್ಲಿ ದೇಶದ ಬಾವಲಿಗಳ ಎರಡು ಪ್ರಭೇದಗಳಲ್ಲಿ (ಟೀರೋಪಸ್ ಹಾಗೂ ರೌಸೆಟಸ್) ಕೊರೊನಾ ವೈರಾಣುಗಳು ಪತ್ತೆಯಾಗಿರುವ ಬಗ್ಗೆ ವರದಿ ಪ್ರಕಟವಾಗಿತ್ತು. ಇದು ಕೋವಿಡ್ 19 ರೋಗವೂ ಇವುಗಳಿಂದ ಹರಡುತ್ತದೆ ಎಂಬ ವದಂತಿ ಹುಟ್ಟಲು ಕಾರಣವಾಗಿತ್ತು.

ಬ್ಯಾಟ್ ಕನ್ಸರ್ವೇಷನ್ ಇಂಡಿಯಾ ಟ್ರಸ್ಟ್‌ನ ಟ್ರಸ್ಟಿ ರಾಜೇಶ್ ಪುಟ್ಟಸ್ವಾಮಯ್ಯ, 'ಕೊರೊನಾ ವೈರಾಣುಗಳ ಒಂದು ಕುಟುಂಬ. ಅವುಗಳಲ್ಲಿ ಅನೇಕ ಉಪ ಜಾತಿಗಳೂ ಇವೆ. ಕೆಲವು ಕೊರೊನಾ ವೈರಸ್‌ಗಳು ಶ್ವಾಸಕೋಶಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ಕಾಯಿಲೆಗೆ ಕಾರಣವಾಗುವುದೂ ನಿಜ. ಭಾರತದ ಬಾವಲಿಗಳಲ್ಲಿ ಕಂಡು ಬಂದಿರುವ ಕೊರೊನಾ ವೈರಸ್ ಹಾಗೂ ಕೋವಿಡ್ ರೋಗ ಹರಡುತ್ತಿರುವ ವೈರಸ್ ಬೇರೆ ಬೇರೆ. ಎಲ್ಲ ಕೊರೊನಾ ವೈರಸ್‌ಗಳಿಂದ ಕೋವಿಡ್ 19 ರೋಗ ಹರಡುವುದಿಲ್ಲ' ಎಂದು ಸ್ಪಷ್ಟಪಡಿಸಿದರು.

'ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ಎರಡು ಬಗೆಯ ಬಾವಲಿಗಳಿವೆ. ದೊಡ್ಡ ಜಾತಿಯ ಬಾವಲಿಗಳು ಹೂಗಳ ಮಕರಂದ, ಚಿಗುರೆಲೆ ಹಾಗೂ ಹಣ್ಣುಗಳನ್ನು ಸೇವಿಸಿ ಜೀವಿಸುತ್ತವೆ. ಸಣ್ಣ ಜಾತಿಯ ಬಾವಲಿಗಳು ಹುಳ ಹುಪ್ಪಟೆ, ಕೀಟಗಳನ್ನು ತಿಂದು ಬದುಕುತ್ತವೆ. ಅವುಗಳಿಂದ ಜನರಿಗೆ ಅನೇಕ ಅನುಕೂಲಗಳಿವೆ. ಸಸ್ಯಗಳ ಪರಾಗಸ್ಪರ್ಶ ಕ್ರಿಯೆಗಳಲ್ಲಿ ಹಾಗೂ ಬೀಜ ಪ್ರಸಾರದಲ್ಲಿ ಅವುಗಳು ಮಹತ್ತರ ಪಾತ್ರ ವಹಿಸುತ್ತವೆ' ಎಂದು ವಿವರಿಸಿದರು.

'ಬಾವಲಿಗಳ ಬಹುತೇಕ ನೆಲೆಗಳು ನಾಶವಾಗಿವೆ. ತಪ್ಪು ಕಲ್ಪನೆಯಿಂದ ಅವುಗಳು ವಾಸಿಸುವ ಮರಗಳನ್ನು ಕೆಲವರು ಕಡಿಯುತ್ತಿರುವ ಬಗ್ಗೆ ದೂರು ಬಂದಿವೆ. ಬೆಂಗಳೂರಿನ ಜೆ.ಪಿ. ನಗರದಲ್ಲೂ ಬಾವಲಿಗಳಿದ್ದ ಮರ ಕಡಿಯಲು ಸ್ಥಳೀಯರು ಮುಂದಾಗಿದ್ದರು. ಬಾವಲಿಗಳನ್ನು ಕಳೆದುಕೊಂಡರೆ ನಮಗೇ ನಷ್ಟ' ಎಂದರು.

'ರೋಗ ತಡೆಯುವ ಬಾವಲಿಗಳು'

'ಬಾವಲಿಗಳು ನೈಸರ್ಗಿಕ ಸೊಳ್ಳೆ ನಿಯಂತ್ರಕಗಳು. ಒಂದು ಪ್ರಭೇದದ ಬಾವಲಿ ಗಂಟೆಗೆ ಸಾವಿರಕ್ಕೂ ಹೆಚ್ಚು ಸೊಳ್ಳೆಗಳನ್ನು ತಿನ್ನುತ್ತದೆ. ಅವುಗಳನ್ನು ಕಳೆದುಕೊಂಡರೆ ಸೊಳ್ಳೆಯಿಂದ ಹರಡುವ ಮಲೇರಿಯಾ, ಡೆಂಗಿಯಂತಹ ರೋಗ ಹೆಚ್ಚಬಹುದು' ಎಂದು ರಾಜೇಶ್ ಪುಟ್ಟಸ್ವಾಮಯ್ಯ ಎಚ್ಚರಿಸಿದರು.

ಬಾವಲಿಗಳನ್ನು ತಮ್ಮ ಪಾಡಿಗೆ ಬದುಕಲು ಬಿಟ್ಟರೆ ಮನುಷ್ಯನಿಗೆ ಅವುಗಳಿಂದ ಯಾವುದೇ ಅಪಾಯವಿಲ್ಲ. ಅವುಗಳನ್ನು ನಾಶಪಡಿಸಿದರೆ ಅಪಾಯ ಹೆಚ್ಚು

ರಾಜೇಶ್ ಪುಟ್ಟಸ್ವಾಮಯ್ಯ, ಬ್ಯಾಟ್ ಕನ್ಸರ್ವೇಷನ್ ಇಂಡಿಯಾ ಟ್ರಸ್ಟ್

ಮುಖ್ಯಾಂಶಗಳು

- ಬಾವಲಿಗಳ ಬಹುತೇಕ ನೆಲೆಗಳು ನಾಶ
- ತಪ್ಪು ತಿಳಿವಳಿಕೆಯಿಂದ ಜನ ಬಾವಲಿಗಳಿಗೆ ಹಾನಿ
- ಸಸ್ಯಗಳ ಪರಾಗಸ್ಪರ್ಶ, ಬೀಜ ಪ್ರಸಾರದಲ್ಲಿ ಅವುಗಳು ಮಹತ್ತರ ಪಾತ್ರ

36. Udayavani Bangalore edition - April 30, 2020

ಸುವರ್ಣ ಸಂಭ್ರಮ

ಉದಯವಾಣಿ

ನಮ್ಮ ಹೃದಯವಾಣಿ • ನಮ್ಮ ಉದಯವಾಣಿ

ಬಾವಲಿಗಳ ಭಯಕ್ಕೆ ಮರಗಳಿಗೇ ಕುತ್ತು!

ತಪ್ಪಿತಸ್ಥರ ವಿರುದ್ಧ ಕ್ರಮಕ್ಕೆ ಪಿಸಿಸಿಎಫ್ ಸೂಚನೆ | ಮರ ಕಡಿಯಲು ಅನುಮತಿಗಾಗಿ ದುಂಬಾಲು

■ ವಿಜಯಕುಮಾರ್ ಚಂದರಗಿ

ಬಾವಲಿಗಳು ವಾಸ ಇರುವ ಮರಗಳನ್ನು ತೆರವುಗೊಳಿಸುವ ಸಂಬಂಧ ಹಾಸನ ಮತ್ತು ಚಿಕ್ಕಮಗಳೂರಿನಿಂದ ಕಳೆದ ವಾರ ಕರೆ ಬಂದಿದ್ದವು. ಈ ಬಾವಲಿಗಳ ಕಾರಣಕ್ಕೆ ಮರಗಳನ್ನು ಕಡಿದಿರಲೂಬಹುದು. ಆದರೆ, ಆ ಬಗ್ಗೆ ಡಿಎಫ್‌ಒಗಳಿಂದ ಯಾವುದೇ ವರದಿ ನನಗೆ ಬಂದಿಲ್ಲ.

■ ಸಂಜಯ್ ಮೋಹನ್, ಪ್ರಧಾನ ಮುಖ್ಯ ಅರಣ್ಯ ಸಂರಕ್ಷಣಾಧಿಕಾರಿ

ಬೆಂಗಳೂರು: ಬಾವಲಿಗಳಿಂದ ಕೊರೊನಾ ವೈರಸ್ ಹರಡುತ್ತದೆ ಎಂಬ ವದಂತಿ ಹಿನ್ನೆಲೆಯಲ್ಲಿ ಅವು ವಾಸಿಸುವ ಮರಗಳು ಮತ್ತು ಮರದ ರೆಂಬೆಗಳನ್ನು ನೆಲಸಮಗೊಳಿಸುವ ಘಟನೆಗಳು ರಾಜ್ಯದಲ್ಲಿ ಕಂಡುಬರುತ್ತಿವೆ. ಇದು ಅರಣ್ಯ ಇಲಾಖೆಗೆ ಮತ್ತೊಂದು ರೀತಿಯ ತಲೆನೋವಾಗಿ ಪರಿಣಮಿಸಿದೆ.

ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಹಣ್ಣುಗಳು ಹೆಚ್ಚಾಗಿರುವ ಮರಗಳಲ್ಲಿ ಬಾವಲಿಗಳ ಆವಾಸ ಸ್ಥಾನ. ಅಂತಹ ಕಡೆಗಳಲ್ಲಿ, ಸುತ್ತಲಿನ ನಿವಾಸಿಗಳು ಆ ಮರಗಳಿಗೇ ಕೊಡಲಿಪೆಟ್ಟು ಹಾಕುತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ಇನ್ನು ಹಲವೆಡೆ ಸಾರ್ವಜನಿಕ ಸ್ಥಳಗಳಲ್ಲಿರುವ ಮರಗಳನ್ನು ಕಡಿಯಲು ಅನುಮತಿ ನೀಡುವಂತೆ ಅರಣ್ಯ ಇಲಾಖೆಗೆ ದುಂಬಾಲು ಬೀಳುತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ಇದಕ್ಕೆ ನಿರಾಕರಿಸುತ್ತಿರುವುದರಿಂದ ಕೆಲವರು ರೆಂಬೆಗಳನ್ನಾದರೂ ಕಡಿತಲೆ ಮಾಡುತ್ತಿರುವುದು ಕೇಳಿಬರುತ್ತಿದೆ.

ಮರಗಳಲ್ಲಿ ಬಾವಲಿಗಳು ವಾಸಿಸುವುದರಿಂದ ಅವುಗಳ ಜೊಲ್ಲು ಬೀಳಬಹುದು. ಅಥವಾ ತಿಂದು ಬಿಸಾಡುವ ಹಣ್ಣುಗಳಿಂದ ತಮಗೆ ಕೊರೊನಾ ವೈರಸ್ ಸೋಂಕು ತಗುಲಬಹುದು ಎಂಬ ಭೀತಿಯಿಂದ ಜನ ಹೀಗೆ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ಆದರಲ್ಲೂ ಇದುವರೆಗೆ ಯಾವುದೇ 'ಕೋವಿಡ್-19' ಪ್ರಕರಣಗಳು ವರದಿಯಾಗದ ಹಾಸನ, ಚಿಕ್ಕಮಗಳೂರಿನಂತಹ ಮಲೆನಾಡು ಭಾಗಗಳಿಂದ ಮರಗಳನ್ನು ನೆಲಸಮಗೊಳಿಸುವ ಬಗ್ಗೆ ಕರೆಗಳು ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಅರಣ್ಯ ಇಲಾಖೆಗೆ ಬರುತ್ತಿವೆ.

ಈಚೆಗೆ ಹಾಸನದಲ್ಲಿ ಬಾವಲಿಗಳು ಸಾಮೂಹಿಕವಾಗಿ ಸಾವನ್ನಪ್ಪಿದ್ದವು. ಇದು ಚಿಕ್ಕಮಗಳೂರಿಗೆ ಹೊಂದಿಕೊಂಡಿದೆ. ಇದುವರೆಗೆ ಇರದ ಸೋಂಕು ಬಾವಲಿಗಳಿಂದ ತಗುಲೀತು ಎಂಬ ಆತಂಕ ಇದಕ್ಕೆ ಕಾರಣ ಇರಬಹುದು ಎಂದು ವಿಶ್ಲೇಷಿಸಲಾಗುತ್ತಿದೆ.

ಈ ಹಿನ್ನೆಲೆಯಲ್ಲಿ ಪ್ರಧಾನ ಮುಖ್ಯ ಅರಣ್ಯ ಸಂರಕ್ಷಣಾಧಿಕಾರಿ ಈಚೆಗೆ ರಾಜ್ಯದ ಎಲ್ಲ ಉಪ ಅರಣ್ಯ ಸಂರಕ್ಷಣಾಧಿಕಾರಿಗಳಿಗೆ ಸೂಚನೆ ನೀಡಿದ್ದು 'ಬಾವಲಿಗಳಿಂದಾಗಲಿ ಅಥವಾ ಮರಗಳು ಸೇರಿದಂತೆ ಅವುಗಳ ಆವಾಸ ಸ್ಥಾನದಿಂದ ಕೊರೊನಾ ವೈರಸ್ ಸೋಂಕು ಹರಡುವುದಿಲ್ಲ. ಒಂದು ವೇಳೆ ಬಾವಲಿಯನ್ನು ಕೊಲ್ಲುವುದು ಹಾಗೂ ಮರಗಳನ್ನು ಕಡಿಯುವುದು ಕಂಡುಬಂದರೆ, ತಪ್ಪಿತಸ್ಥರ ವಿರುದ್ಧ ಕಾನೂನು ಕ್ರಮ ಕೈಗೊಳ್ಳಲಾಗುವುದು. ಈ ಬಗ್ಗೆ ಸ್ಥಳೀಯರಲ್ಲಿ ಜಾಗೃತಿ ಮೂಡಿಸಬೇಕು. ಆ ಮೂಲಕ ಬಾವಲಿಗಳು ಮತ್ತು ಮರಗಳನ್ನು ರಕ್ಷಿಸಬೇಕು' ಎಂದು ನಿರ್ದೇಶಿಸಿದ್ದಾರೆ.

ಹರೀಕೆಗೆ ಮೂದರಿ ರವಾನೆ: ಹಾಸನದ ಅರಸೀಕೆರೆಯಲ್ಲಿ ಈಚೆಗೆ ಒಂದೇ ಮರದಲ್ಲಿ ಸುಮಾರು 30ಕ್ಕೂ ಅಧಿಕ ಬಾವಲಿಗಳು ಸಾವನ್ನಪ್ಪಿದ್ದವು.

▶ 4ನೇ ಪುಟಕ್ಕೆ

Bengaluru Edition
Apr 30, 2020 Page No. 1
Powered by : eReleGo.com

37. Vijaya Karnataka April 19, 2020

VK ವಿಜಯ ಕರ್ನಾಟಕ e-paper

PRIDE
2 BHK
Smart homes
AT ₹30 LACS ONWARDS

ಐಸಿಎಂಆರ್, ವಿಜ್ಞಾನಿಗಳ ಅಭಿಪ್ರಾಯ | ಮರಗಳನ್ನು ಕಡಿಯದಿರಲು ಮನವಿ

ಬಾವಲಿಗಳಿಂದ ಕೋವಿಡ್-19 ಬರಲ್ಲ

■ **ವಿಕ ಸುದ್ದಿಲೋಕ** ಬೆಂಗಳೂರು

ಬಾವಲಿಗಳಿಂದ ಕೊರೊನಾ ವೈರಸ್ (ಕೋವಿಡ್-19)ಗೆ ಹರಡುತ್ತಿದೆ ಎಂಬ ತಪ್ಪು ಮಾಹಿತಿಯನ್ನು ನಂಬಿದ ಅನೇಕರು ತಮ್ಮ ಮನೆ ಮುಂದೆ ಇರುವ ಗಿಡ, ಮರಗಳ ಕೊಂಬೆಗಳನ್ನು ಕಡಿಯುತ್ತಿರುವ ಪ್ರವೃತ್ತಿ ಹೆಚ್ಚಾಗುತ್ತಿದೆ. ಆದರೆ, ಭಾರತೀಯ ವೈದ್ಯಕೀಯ ಸಂಶೋಧನಾ ಸಮಿತಿ (ಐಸಿಎಂಆರ್) ಮತ್ತು ತಜ್ಞರು ಬಾವಲಿಗಳು ಕೋವಿಡ್-19 ವಾಹಕಗಳಲ್ಲ ಎಂದು ಸ್ಪಷ್ಟಪಡಿಸಿದ್ದಾರೆ.

ಇತ್ತೀಚೆಗಷ್ಟೇ ಕೇರಳ, ಹಿಮಾಚಲ ಪ್ರದೇಶ, ಪುದುಚೇರಿ ಮತ್ತು ತಮಿಳುನಾಡು ಪ್ರದೇಶ ವ್ಯಾಪ್ತಿಯ 25ಕ್ಕೂ ಹೆಚ್ಚು ಬಾವಲಿಗಳನ್ನು ಪರೀಕ್ಷೆಗೊಳಪಡಿಸಿ ಅಧ್ಯಯನ ಕೈಗೊಳ್ಳಲಾಗಿತ್ತು. ಭಾರತದ ಎರಡು ಜಾತಿಯ ಬಾವಲಿಗಳಲ್ಲಿ ಕೊರೊನಾ ವೈರಸ್ ಪತ್ತೆಯಾಗಿದೆ. ಆದರೆ, ಈಗ ಮಾನವ ಕುಲಕ್ಕೆ ಕಂಟಕ ತಂದಿರುವ ಕೊರೊನಾ ವೈರಸ್ (ಕೋವಿಡ್-19) ಮತ್ತು ಬಾವಲಿಗಳಲ್ಲಿ ಪತ್ತೆಯಾಗಿರುವ ವೈರಸ್‌ಗೂ ಯಾವುದೇ ರೀತಿಯ ಸಂಬಂಧವಿಲ್ಲ ಎಂದು ವಿಜ್ಞಾನಿಗಳು ಹೇಳಿದ್ದಾರೆ.

''ಬಾವಲಿಗಳಿಂದ ಕೊರೊನಾ ವೈರಸ್ ಹರಡುವ ಘಟನೆ ಸಾವಿರ ವರ್ಷಗಳಲ್ಲಿ ಒಮ್ಮೆ ಮಾತ್ರ ಸಂಭವಿಸಬಹುದು,'' ಎಂದು ಐಸಿಎಂಆರ್‌ನ ಮುಖ್ಯ ವಿಜ್ಞಾನಿ ಡಾ. ರಮಣ್ ಗಂಗಖೇಡ್ಕರ ಅವರು ಅಭಿಪ್ರಾಯಪಟ್ಟಿದ್ದಾರೆ.

»07

ಬಾವಲಿಗಳಿಂದ ಕೊರೊನಾ ವೈರಸ್ ಹರಡುತ್ತದೆ ಎಂಬ ತಪ್ಪು ಮಾಹಿತಿಯನ್ನು ನಂಬಿ ಜನರು ಆತಂಕಕ್ಕೀಡಾಗುತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ಆದರೆ, ಬಾವಲಿಗಳಿಗೂ ಮತ್ತು ಕೊರೊನಾ ವೈರಸ್‌ಗೂ ಯಾವುದೇ ಸಂಬಂಧ ಇಲ್ಲ ಎಂದು ವೈಜ್ಞಾನಿಕವಾಗಿ ದೃಢಪಟ್ಟಿದೆ. ಬಾವಲಿಗಳು ಸೋಂಕು ವಾಹಕಗಳಲ್ಲ, ಎಲ್ಲಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಆಹಾರ ಸರಪಳಿಯಲ್ಲಿ ಬಾವಲಿಗಳು ಪ್ರಮುಖ ಪಾತ್ರವನ್ನು ನಿರ್ವಹಿಸುತ್ತಿವೆ. ಬಾವಲಿಗಳಿಂದ ನಮಗೆ ಲಾಭವೇ ಇದೆ ಹೊರತು ನಷ್ಟವಿಲ್ಲ.

– **ಜೋಸೆಫ್ ಹೂವರ್** ವನ್ಯಜೀವಿ ಸಂರಕ್ಷಣಾವಾದಿ

ಸಮತೋಲನ ಹಾಳಾದೀತು!

ಬಾವಲಿಗಳು ಪರಿಸರದಲ್ಲಿ ಒಂದು ಮಹತ್ವವಾದ ಕಾರ್ಯವನ್ನು ನಿರ್ವಹಿಸುತ್ತವೆ. ಇವುಗಳಲ್ಲಿ ದೊಡ್ಡ ಗಾತ್ರದ ಬಾವಲಿಗಳು ಪರಾಗ ಸ್ಪರ್ಶ ಹಾಗೂ ಬೀಜ ವಿಸ್ತರಣೆಯನ್ನೂ ಮಾಡಿ, ಕಾಡನ್ನು ಬೆಳೆಯಲು ಸಹಾಯ ಮಾಡುತ್ತವೆ. ಚಿಕ್ಕ ಬಾವಲಿಗಳು ಕೀಟಗಳನ್ನು ತಿನ್ನುವುದರಿಂದ ರೈತ ಮಿತ್ರನಾಗಿ ಬೆಳೆ ಹಾನಿಯನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸುತ್ತವೆ ಹಾಗೂ ಸೊಳ್ಳೆಗಳನ್ನು ತಿನ್ನುವುದರಿಂದ ಮಲೇರಿಯಾ, ಡೆಂಗೆ, ಚಿಕೂನ್‌ಗುನ್ಯದಂಥ ಕಾಯಿಲೆಗಳನ್ನು ತಡೆಗಟ್ಟುತ್ತವೆ. ಬಾವಲಿಗಳಿಂದ ಕೋವಿಡ್-19 ವೈರಸ್ ಹರಡುತ್ತದೆ ಎಂಬುವುದಕ್ಕೆ ಇನ್ನೂ ಯಾವುದೇ ಪುರಾವೆ ಸಿಕ್ಕಿಲ್ಲ, ಬಾವಲಿಗಳನ್ನು ಮರಗಳಿಂದ ಓಡಿಸುವುದಾಗಲಿ, ಕೊಲ್ಲುವುದಾಗಲಿ ಅಥವಾ ಮರಗಳನ್ನೇ ಕಡಿಯುವುದನ್ನು ಮಾಡಿದರೆ ಇದರಿಂದ ಪ್ರಕೃತಿಯ ಸಮತೋಲನ ಹಾಳಾಗುತ್ತದೆ ಹಾಗೂ ಇನ್ನೂ ಹೆಚ್ಚು ಕಂಡರಿಯದ ಕಾಯಿಲೆಗಳು ಹುಟ್ಟುತ್ತದೆ.

– **ರಾಜೇಶ್ ಪುಟ್ಟಸ್ವಾಮಯ್ಯ**, ಸಿಟಿಜನ್ ಸೈಂಟಿಸ್ಟ್ ಹಾಗೂ ಬಾವಲಿ ಸಂರಕ್ಷಣಾ ಟ್ರಸ್ಟ್‌ನ ಟ್ರಸ್ಟಿ.

===Hindi===

38. Live Hindustan website

https://www.livehindustan.com/international/story-bats-cannot-infect--humans-with-corona-says-scientists-3174269.html

हिंदी न्यूज़ › विदेश › इंसानों को कोरोना से संक्रमित नहीं कर सकते चमगादड़: वैज्ञानिक

इंसानों को कोरोना से संक्रमित नहीं कर सकते चमगादड़: वैज्ञानिक

लाइव हिन्दुस्तान टीम,नई दिल्ली

Last updated: Sat, 25 Apr 2020 03:33 PM

कोरोना वायरस का प्रसार चमगादड़ों से होने की खबर के बाद लोगों ने प्रशासन से चमगादड़ों वाले पेड़ हटाने की मांग कर रहे हैं। ऐसे में अब 64 वैज्ञानिकों ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि चमगादड़ इंसानों में कोविड -19 का प्रसार नहीं करते हैं। उन्होंने शुक्रवार को अपने बयान में तर्क दिया कि Sars-Cov-2 लगभग 40 से 70 साल पहले RaTG13 नामक चमगादड़ में पाए गए थे। यह दर्शाता है कि बैट वायरस मनुष्यों को सीधे संक्रमित नहीं कर सकता है।

उन्होंने कहा कि बैट की एक प्रजाति में पाए जाने वाले कोरोना वायरस को सरस-कोव -2 के सबसे करीबी मैच के रूप में पाया गया था। हालांकि, अध्ययन से पता चलता है कि यह मानव फेफड़ों को आसानी से नहीं जकड़ सकता है। इससे पता चलता है कि वायरस एक मध्यवर्ती जीव में विकसित हो सकता है। फिलहाल, मध्यवर्ती जीव होने के नाते बहुत सारे साक्ष्य पैंगोलिन की ओर इशारा करते हैं। हालांकि, अभी तक इसपर किसी वैज्ञानिक की सहमति नहीं है।

बर्लिन के लाइबनिट्स इंस्टीट्यूट फॉर ज़ू एंड वाइल्डलाइफ़ रिसर्च के एक शोध विद्वान रोहित चक्रवर्ती ने कहा कि यह दुनिया के सबसे अधिक तस्करी वाले जानवर पैंगोलिन को नष्ट करने का एक कारण नहीं बनना चाहिए। इसके बजाय, हमें इन दुर्लभ और मायावी जानवरों की बढ़ती सुरक्षा को बढ़ाना चाहते हैं।

दुनिया की तरह भारत में भी कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। भारत में कोविड-19 मरीजों की संख्या शनिवार सुबह बढ़कर 24 हजार के पार पहुंच गई। इसके अलावा 775 लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत में कोरोना वायरस मरीजों की संख्या 24,506 हो गई है। इसमें अब तक 5063 मरीज अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुके हैं। देश में बीते 12 घंटों में 52 मौतें हुई हैं। इसके अलावा 1054 नए मामले सामने आ चुके हैं।

चर्चित खबरें

- दूसरे राज्यों में फंसे यूपी के मजदूरों को वापस लाएगी योगी सरकार
- यूपी का एक ऐसा जिला जहां लॉकडाउन में घर-घर बांटे जा रहे कंडोम
- बिहार में 26 नए कोरोना पॉजिटिव मिले, राज्य में संक्रमित बढ़कर 197
- बिहार में 17 नए कोरोना पॉजिटिव मिले, प्रदेश में संक्रमित बढ़कर 214
- क्या कार्गो फ्लाइट में दिल्ली से बंगाल गए थे PK? शुरू हो गई जांच

संबंधित खबरें

- भारतीय वैज्ञानिकों को बड़ी सफलता, मिला कोरोना का जीनोम सिक्वेंस
- राष्ट्रपति भवन तक पहुंचा कोरोना, अब क्वारंटाइन करने पड़े 125 परिवार
- आपने विदेशियों की मदद की, अब प्रवासी मजदूरों को घर जाने दें: गहलोत
- लॉकडाउन: मोदी के मंत्री दफ्तर पहुंचे, जावड़ेकर ने भी शुरू किया काम
- विश्व में तबाही मचा रहा कोरोना चीन के लिए फिर बना मुसीबत, 63 नए मामले

===Assamese===

39. Article by Dr. Uttam Saikia, Zoological Survey of India - 08-05-20

বাদুলি কৰ'না মহামাৰীৰ বাবে জগৰীয়া নহয়

০০০ বাদুলিৰ দেহত পোৱা কৰ'না ভাইৰাছৰ লগত বৰ্তমানৰ সংক্ৰমণত কোনো সম্পৰ্ক নাই। কিছুদিনৰ আগতে ভাৰতীয় স্বাস্থ্য গৱেষণা পৰিষদ (ICMR)ৰ এক গৱেষণাপত্ৰত দক্ষিণ এছিয়াৰ দুটা প্ৰজাতিৰ বাদুলিৰ দেহত কৰ'না ভাইৰাছৰ উপস্থিতিৰ কথা কোৱা হৈছে। কিন্তু গৱেষকসকলে স্পষ্ট কৰি দিছে যে উক্ত কৰ'না ভাইৰাছ আৰু SARS-CoV-2ৰ মাজৰ সম্পৰ্ক বহু দূৰণিৰ আৰু ই ক'ভিড-১৯ৰ সংক্ৰমণ ঘটাব নোৱাৰে। আচলতে বাদুলিৰ উৰণ ক্ষমতা, মানুহৰ আশে-পাশে থকাৰ প্ৰৱণতা, সমূহীয়াকৈ থকাৰ স্বভাৱ আৰু দীৰ্ঘ আয়ুস ইত্যাদি গুণৰ বাবে ভাইৰাছ সংক্ৰমণ ঘটোৱাৰ বাবে অনুকূল জীৱ বুলি কিছুমান বিজ্ঞানীয়ে সন্দেহ কৰে। কিন্তু অসংখ্য প্ৰচেষ্টাৰ পাছতো বাদুলিৰ দেহত এতিয়ালৈকে মানৱ দেহ সংক্ৰমিত কৰিব পৰা উক্ত ভাইৰাছসমূহ উপস্থিতি ধৰা পৰা নাই, গতিকে বাদুলিক সংক্ৰমণৰ কাৰক বুলি ভাবি থকাৰ থল নাই ০০০

■ ড° উত্তম শইকীয়া

সম্প্ৰতি বিশ্বজুৰি কৰ'না ভাইৰাছৰ সংক্ৰমণে ভয়াবহ ৰূপ ধাৰণ কৰিছে। একবিংশ শতিকাৰ সকলোতকৈ ভয়াবহ এই মহামাৰীৰ উৎস সম্পৰ্কে বিজ্ঞানীসকল এতিয়াও নিশ্চিত নহয়। পৃথিৱীৰ বিভিন্ন প্ৰান্তত ভাইৰাছ বিশেষজ্ঞসকলে এই সম্পৰ্কে অনুসন্ধান অব্যাহত ৰাখিছে আৰু নিয়মীয়াভাৱে বিভিন্ন তথ্য পোহৰলৈ আহি আছে। উল্লেখনীয় যে সৰহসংখ্যক এনে ধৰণৰ গৱেষণাৰ বিষয়বস্তু কেন্দ্ৰীভূত হৈ আছে, বাদুলিৰ দেহত পোৱা বিভিন্ন ভাইৰাছ আৰু তাৰ পৰা মানৱ দেহলৈ ঘটিব পৰা সংক্ৰমণৰ আশংকা সম্পৰ্কে। এই গৱেষণাসমূহৰ উদ্ধৃতি দি সংবাদ মাধ্যমত বাদুলি আৰু কৰ'না মহামাৰীৰ সম্পৰ্কত বিভিন্ন বাতৰি ভিন্ন সময়ত প্ৰকাশ পাই আহিছে। আনহে নেলাগে, চি এন এনৰ দৰে প্ৰসিদ্ধ বাতৰি সংস্থাও এই ক্ষেত্ৰত পিছপৰি ৰোৱা নাই। কোৱা বাহুল্য যে বাদুলি আৰু কৰ'না ভাইৰাছ সম্পৰ্কত প্ৰকাশিত এই সৰহসংখ্যক বাতৰিয়েই অতিৰঞ্জিত। সম্প্ৰতি সাধাৰণ ৰাইজৰ মাজত বাদুলি কৰ'নাৰ উৎস আৰু বাহক বুলি এটা ভুল ধাৰণাৰ সৃষ্টি হৈছে। কৰ'না মহামাৰীয়ে সমগ্ৰ বিশ্বক আচ্ছন্ন কৰি ৰখা এটা পৰিৱেশত এনে ধৰণৰ ভুল ধাৰণাৰ বাবে জনসাধাৰণ ভীতিগ্ৰস্ত হোৱাটো স্বাভাৱিক। কাৰণ চহৰেই হওক বা নগৰেই হওক, বাদুলি আমাৰ চাৰিওকাষে থকা, সচৰাচৰ দেখা পোৱা প্ৰাণী। ৰাইজ আতংকিত হৈ বহুতো ঠাইত বাদুলি হত্যা কৰা বা আবাসস্থলৰ পৰা খেদি পঠোৱা আদি ঘটনা পোহৰলৈ আহিছে। এনেস্থলত, সাধাৰণ ৰাইজক বাদুলি সম্পৰ্কে সজাগ কৰা আৰু বাদুলি আৰু কৰ'না মহামাৰীৰ সম্পৰ্কে মানুহৰ মাজত থকা ভুল ধাৰণা দূৰ কৰাৰ কাৰণে কিছু কথা লিখাৰ প্ৰয়োজনীয়তা আহি পৰিছে।

কৰ'না মহামাৰীৰ উৎস সম্পৰ্কত বিজ্ঞানীসকলৰ হাতত নিশ্চিত তথ্য নাই। বিগত বৰ্ষৰ ডিচেম্বৰ মাহৰ শেষৰ ফালে বিশ্ব স্বাস্থ্য সংস্থাক চীনদেশে এক নতুন নিউমোনিয়া সংক্ৰমণ সম্পৰ্কে অৱগত কৰে। চীনদেশৰ কৰ্তৃপক্ষই বিশ্ব স্বাস্থ্য সংস্থাক জনোৱা মতে এই সংক্ৰমণত ভোগা কিছু সংখ্যক লোক উহান চহৰৰ এখন সামুদ্ৰিক খাদ্যৰ বজাৰৰ পোহাৰী ব্যৱসায়ী। উল্লেখযোগ্য যে উহান চহৰৰ এই বিখ্যাত বজাৰখনত সাগৰীয় মাছ-কাছৰ উপৰিও অন্য বন্যপ্ৰাণীও বেচা-কিনা হয়। এই বছৰৰ জানুৱাৰী মাহৰ প্ৰথম সপ্তাহত চিকিৎসা বিশেষজ্ঞসকল এই সংক্ৰমণৰ কাৰণ হিচাপে SARS-Cov-2 নামৰ এক নতুন ভাইৰাছৰ বিষয়ে অৱগত হয়। বিজ্ঞানীসকলে অনুমান কৰে যে যিহেতু কৰ'না ভাইৰাছ চৰাই আৰু স্তন্যপায়ী প্ৰাণীৰ দেহত পোৱা যায়, সেয়েহে বজাৰখনত বিক্ৰী কৰিবলৈ থোৱা কোনো বন্যপ্ৰাণীৰ দেহৰ পৰাই মানুহৰ দেহলৈও সংক্ৰমণ ঘটিছে। এইখিনিতে উল্লেখ কৰা প্ৰয়োজন যে কিছুসংখ্যক গৱেষক বিজ্ঞানীয়ে ধাৰণা কৰে যে হয়তো উহান চহৰৰ সাগৰীয় খাদ্যৰ বজাৰত ৰখা বনৰৌ জাতীয় প্ৰাণীৰ পৰা এই ভাইৰাছৰ সংক্ৰমণ ঘটিছিল যদিও ইয়াৰ কোনো প্ৰত্যক্ষ প্ৰমাণ পোৱা হোৱা নাই। অন্য কিছুমান বিজ্ঞানীয়ে আকৌ সন্দেহ প্ৰকাশ কৰিছে যে হয়তো বাদুলিৰ পৰা এই কৰ'না ভাইৰাছ প্ৰত্যক্ষভাৱে বা কোনো মধ্যৱৰ্তী প্ৰাণীৰ জৰিয়তে মানুহৰ দেহলৈ সংক্ৰমণ ঘটিছে। কিন্তু সন্দেহ আৰু প্ৰকৃত ঘটনাৰ মাজত ব্যাপক পাৰ্থক্য আছে আৰু উপযুক্ত বিজ্ঞানসম্মত প্ৰমাণৰ অবিহনে এনে ধাৰণাবোৰক সত্য বুলি ভাবি লোৱাটো যুক্তিসংগত নহয়।

কৰ'না ভাইৰাছ আচলতে পক্ষী আৰু স্তন্যপায়ী প্ৰাণীৰ দেহত পোৱা বিভিন্ন প্ৰজাতিৰ ভাইৰাছৰ এক সমূহীয়া নাম। এই ভাইৰাছসমূহে জীৱ-জন্তুৰ দেহত শ্বাসতন্ত্ৰ আৰু পাচনতন্ত্ৰৰ সংক্ৰমণ ঘটায়। মানুহৰ দেহত সাধাৰণ চৰ্দী লগা ৰোগৰ পৰা SARS, MERS জাতীয় জটিল শ্বাসতন্ত্ৰৰ সংক্ৰমণৰ কাৰণো এই কৰ'না ভাইৰাছ। যিকোনো বন্যপ্ৰাণীৰ দৰেই বাদুলিৰ দেহতো বিভিন্ন প্ৰকাৰৰ কৰ'না ভাইৰাছ থকাতো সম্ভৱ। যিহেতু বাদুলি স্তন্যপায়ী প্ৰাণীৰ ভিতৰত অন্যতম বেছিসংখ্যক প্ৰজাতি থকা (১৪০০ৰ অধিক প্ৰজাতি বিশ্বব্যাপী) প্ৰাণী। গতিকে স্বাভাৱিকভাৱে বাদুলিত বেছি প্ৰজাতিৰ কৰ'না ভাইৰাছ পোৱা যায়। তদুপৰি তুলনামূলকভাৱে অন্য প্ৰাণীতকৈ বাদুলিক বহুত বেছি পৰিমাণে ভাইৰাছৰ উপস্থিতিৰ বাবে পৰীক্ষা কৰা হৈছে। বিশেষকৈ ২০০৫ চনত চীনদেশৰ বিজ্ঞানীয়ে SARS সদৃশ ভাইৰাছ এবিধ বাদুলিৰ দেহত আবিষ্কাৰ কৰাৰ পিছত এনে ধৰণৰ অনুসন্ধানৰ গতি খৰতকীয়া হৈছে। কিন্তু এতিয়ালৈকে অহা তথ্যৰ পৰা এইটো স্পষ্ট যে SARS, MERS বা বৰ্তমানৰ মহামাৰীৰ কাৰক কোনো ভাইৰাছ বাদুলিৰ দেহত আবিষ্কাৰ হোৱা নাই। বাদুলিৰ দেহত পোৱা কৰ'না ভাইৰাছৰ লগত বৰ্তমানৰ সংক্ৰমণত কোনো সম্পৰ্ক নাই। কিছুদিনৰ আগতে ভাৰতীয় স্বাস্থ্য গৱেষণা পৰিষদ (ICMR)ৰ এক গৱেষণাপত্ৰত দক্ষিণ এছিয়াৰ দুটা প্ৰজাতিৰ বাদুলিৰ দেহত কৰ'না ভাইৰাছৰ উপস্থিতিৰ কথা কোৱা হৈছে। কিন্তু গৱেষকসকলে স্পষ্ট কৰি দিছে যে উক্ত কৰ'না ভাইৰাছ আৰু SARS-CoV-2ৰ মাজৰ সম্পৰ্ক বহু দূৰণিৰ আৰু ই ক'ভিড-১৯ৰ সংক্ৰমণ ঘটাব নোৱাৰে। আচলতে বাদুলিৰ উৰণ ক্ষমতা, মানুহৰ আশে-পাশে থকাৰ প্ৰৱণতা, সমূহীয়াকৈ থকাৰ স্বভাৱ আৰু দীৰ্ঘ আয়ুস ইত্যাদি গুণৰ বাবে ভাইৰাছ সংক্ৰমণ ঘটোৱাৰ বাবে অনুকূল জীৱ বুলি কিছুমান বিজ্ঞানীয়ে সন্দেহ কৰে। কিন্তু অসংখ্য প্ৰচেষ্টাৰ পাছতো বাদুলিৰ দেহত এতিয়ালৈকে মানৱ দেহ সংক্ৰমিত কৰিব পৰা উক্ত ভাইৰাছসমূহ উপস্থিতি ধৰা পৰা নাই, গতিকে বাদুলিক সংক্ৰমণৰ কাৰক বুলি ভাবি থকাৰ থল নাই। তদুপৰি বিজ্ঞানীসকলৰ গৱেষণাৰ পৰা এইটোও দেখা গৈছে যে বাদুলিৰ দেহত আবিষ্কাৰ হোৱা SARS সদৃশ ভাইৰাছ মানুহৰ হাওঁফাওঁৰ বহিৰাৱৰণৰ (Lung Epithelium) কোষসমূহৰ Receptorৰ লগত কাৰ্যকৰীভাৱে বান্ধ খাব নোৱাৰে। তেনেস্থলত এই ভাইৰাছসমূহে মানৱ দেহত সংক্ৰমণ ঘটোৱাৰ সম্ভাৱনা অতি কম।

এইটো অনস্বীকাৰ্য যে যুগ-যুগান্ত ধৰি মানুহ আৰু বাদুলিয়ে সহাৱস্থান কৰি আহিছে। গাঁও অঞ্চলত সাধাৰণতে গৰুৰ গোহালি, খেৰি ঘৰ নতুবা কল, তামোল আদি গছত বাদুলি বাস কৰাতো এটা স্বাভাৱিক ঘটনা। বিশ্বৰ বিভিন্ন প্ৰান্তত মানুহে নিয়মিতভাৱে বাদুলিৰ মাংস ভক্ষণ কৰে। উত্তৰ পূৰ্বাঞ্চলৰ বহু জনগোষ্ঠীৰ মাজত বাদুলি চিকাৰ কৰাৰ প্ৰথা আছে। তদুপৰি বিশ্বৰ বহুতো অঞ্চলত ব্যৱসায়িকভাৱে বাদুলিৰ বিষ্ঠা (Bat Gueno) সংগ্ৰহ কৰা হয় যাৰ উৎকৃষ্ট সাৰৰ ৰূপত চাহিদা আছে। মানুহ আৰু বাদুলিৰ এনে নিয়মীয়া সংস্পৰ্শৰ পিছতো এইসকল লোকৰ মাজত বাদুলিৰ পৰা কোনো ধৰণৰ ৰোগ সংক্ৰমণৰ নজিৰ নাই। বিখ্যাত বাদুলি গৱেষক আৰু সংৰক্ষণবিদ ড° মাৰ্লিন টাট'লৰ এটি উক্তি এইখিনিতে উল্লেখনীয়। 'ঐতিহাসিকভাৱে বাদুলি আৰু মানুহ সুৰক্ষিতভাৱে সহাৱস্থান কৰাৰ অতুলনীয় নজিৰ আছে। অতীতৰ সকলোবোৰ বিশ্বজোৰা মহামাৰীৰ কাৰক বাদুলি নহয়, কিন্তু চৰাই আৰু বান্দৰ জাতীয় প্ৰাণীহে।' সাধাৰণ ৰাইজৰ জ্ঞাতাৰ্থে এইটো উল্লেখ কৰা নিতান্তই প্ৰয়োজন যে বাদুলি এক উপকাৰী প্ৰাণী। পৰিৱেশতন্ত্ৰৰ সমতা ৰক্ষা কৰাৰ পৰা মানুহৰ অৰ্থনীতিৰ লগত বাদুলি ওতঃপ্ৰোতভাৱে জড়িত। গৱেষণাৰ পৰা প্ৰমাণ হৈছে যে ৫০০ বিধৰো অধিক প্ৰজাতিৰ উদ্ভিদৰ পৰাগযোগত বাদুলিৰ প্ৰত্যক্ষ ভূমিকা আছে। কোৱা বাহুল্য যে পৰাগযোগৰ অবিহনে গছৰ ফল আৰু গুটিৰ সৃষ্টি নহয়, গতিকে বংশবৃদ্ধি হ'ব নোৱাৰে। বাদুলিয়ে পৰাগযোগ ঘটোৱা এইসমূহ উদ্ভিদৰ ভিতৰত কলবীয়া কল, মধুৰীআম, আম, এগাভে, মহুৱা আদি বিভিন্ন অৰ্থনৈতিকভাৱে গুৰুত্বপূৰ্ণ উদ্ভিদো আছে। সাগৰৰ উপকূল অঞ্চলত গজা Mangrove অৰণ্যসমূহৰ সাগৰীয় দ্বীপ বা উপকূলীয় অঞ্চলৰ সাগৰৰ ঢৌ বা ধুমুহাৰ পৰা ৰক্ষা কৰাত গুৰুত্বপূৰ্ণ ভূমিকা আছে। এইসমূহ অৰণ্যৰ কিছুমান উদ্ভিদৰ বাদুলিয়ে পৰাগযোগ ঘটায়। তদুপৰি আমি সচৰাচৰ দেখা বট্-আহত (Ficus sp) জাতীয় গছৰ বিস্তাৰতো ফলাহাৰী বাদুলিৰ ভূমিকা আছে। পতংগভোজী বাদুলিসমূহৰ খেতিৰ অপকাৰী কীট-পতংগ সমূহক নিয়ন্ত্ৰণ কৰাৰ এক জৈৱিক কাৰক। তদুপৰি, এইসমূহ বাদুলিয়ে ৰোগ সৃষ্টিকাৰী মহ মাখি ভক্ষণ কৰি আমাৰ অজানিতেই বহুতো উপকাৰী কাৰ্য সাধন কৰি আহিছে। এটা গৱেষণাৰ পৰা পোহৰলৈ আহিছে যে আমেৰিকা যুক্তৰাষ্ট্ৰত প্ৰতি বছৰে পতংগভোগী বাদুলিয়ে প্ৰায় ২৩ বিলিয়ন ডলাৰ মূল্যৰ খাদ্যশস্য কীট-পতংগৰ পৰা ৰক্ষা কৰে। ভাৰতৰ দৰে কৃষি প্ৰধান দেশত বাদুলিৰ পৰা লাভান্বিত হোৱা খাদ্যশস্যৰ মূল্য নিৰ্ধাৰণ হোৱা নাই যদিও ই সহজেই অনুমেয় যে ইয়াৰ পৰিমাণ আকাশলংঘী হ'ব। গতিকে বাদুলি কৃষকৰ পৰম বন্ধু। পৰিৱেশতন্ত্ৰত বাদুলিৰ ভূমিকা ইয়াতেই সীমাবদ্ধ নহয়। বহু প্ৰজাতিৰ বাদুলি গুহাৰ ভিতৰত বাস কৰে। বৃহৎ আকাৰৰ গুহাবোৰৰ ভিতৰত অসংখ্য প্ৰকাৰৰ জীৱই বাস কৰে আৰু এক অনন্য প্ৰকৃতিতন্ত্ৰৰ সৃষ্টি কৰে। এই গুহাসমূহত থকা বহুতো অমেৰুদণ্ডী প্ৰাণী আৰু অণুজীৱৰ মুখ্য খাদ্যৰ উৎস হ'ল বাদুলিৰ বিষ্ঠা।

বাদুলিৰ প্ৰকৃতিতন্ত্ৰৰ ওপৰত আৰু মানৱ জাতিৰ অৰ্থনীতিত থকা বিশাল ভূমিকাৰ বিষয়ে ৰাইজক অৱগত কৰোৱা আৰু বাদুলি আৰু সাম্প্ৰতিক ক'ভিড-১৯ মহামাৰীৰ বিষয়ে মানুহৰ মাজত থকা ভুল ধাৰণা আঁতৰ কৰাৰ বাবে দক্ষিণ এছিয়াৰ বাদুলিৰ গৱেষণা আৰু সংৰক্ষণৰ লগত জড়িত ৬০জনৰো অধিক লোকৰ স্বাক্ষৰিত এক বিবৃতি ইতিমধ্যে সংবাদ মাধ্যমত প্ৰকাশ পাইছে। উক্ত বিবৃতিত স্বাক্ষৰ কৰা এজন ব্যক্তি হিচাপে জনসাধাৰণলৈ পুনৰবাৰ আহ্বান জনাওঁ যে ভুল ধাৰণাৰ বশৱৰ্তী হৈ ৰাইজে যেন আমাৰ চাৰিওফালে থকা বাদুলিবোৰৰ অনিষ্ট নকৰে। বাদুলিৰ ওপৰত অধ্যয়ন কৰা এজন ব্যক্তি হিচাপে (যদিও মোৰ গৱেষণা বাদুলি আৰু ভাইৰাছ নহয়) আৰু প্ৰকাশিত বৈজ্ঞানিক তথ্যৰ ওপৰত ভিত্তি কৰি মই এই আহ্বান জনাইছো যে আমাৰ উপকাৰী এই বাদুলিসমূহক আমি যথাসম্ভৱ নিৰাপদ কৰি ৰখাতো আমাৰ বাবেই প্ৰয়োজনীয়। যিকোনো আন বন্যপ্ৰাণীৰ দৰেই বাদুলিকো নিতান্তই প্ৰয়োজন নহ'লে হাতেৰে স্পৰ্শ কৰাৰ পৰা বিৰত থকা উচিত। বাদুলিক স্পৰ্শ নকৰিলে সিহঁতে মানুহক কামোৰাৰ সম্ভাৱনা একেবাৰেই নাই আৰু ফলস্বৰূপে বাদুলিৰ পৰা মানৱ দেহলৈ আহিব পৰা সংক্ৰমণৰ আশংকাও দূৰ কৰিব পাৰি।

ই-মেইল : uttamzsi@gmail.com

...াবাদ

...তিয়াই প্ৰপাগেণ্ডিক পক্ষৰ উদ্দেশ্য সফল ...য়।

আব্দুল মালিকৰ কবিতাৰ ঘটনাটোও এনে ...কৃত উপস্থাপনৰ প্ৰক্ৰিয়াৰ এটা অংশহে ...থোন, যাক গঠন কৰা নেৰেটিভটোৰ মাজেদি ...াস্থাভাজকসকলৰ দ্বাৰা সত্যৰ প্ৰলেপ দি ...নুহৰ মাজলৈ পঠিয়াই দিয়া হ'ল। এই ...ক্ৰিয়াবোৰৰ ভুক্তভোগী হয় সাধাৰণ শ্ৰেণী, ...ৰ উপস্থাপন কৰা বিষয়বস্তুৰ প্ৰতি সম্যক জ্ঞান ...থাকে, যাৰ বাবে সম্মুখত দেখা হঠাৎ ...বিষ্ঠসংখ্যকে সমৰ্থন কৰা কথাটোৰে সত্য বুলি ...নত থিতাপি লয় আৰু স্বভাৱগতভাৱেই ...নৰীক্ষণ নকৰি প্ৰচাৰ কৰা এই প্ৰকৃতিটোৰ পূৰ্ণ

===Tamil===

40. Vikatan on 08-05-20

https://www.vikatan.com/social-affairs/environment/why-we-cant-blame--bats-to-this-coronavirus-outbreak?artfrm=v4

விகடன்
Subscribe
இதழ்கள் கொரோனா அப்டேட்ஸ் செய்திகள் விக

Published: Yesterday at 9 AM Updated: Yesterday at 9 AM

நம்மூர் வெளவால்களால் கொரோனா பரவாது... ஏன்? #SaveBats

க.சுபகுணம்

வெளவால் (Devna Arora)

தொற்றுநோய் என்று வந்தாலே மனிதர்கள் மத்தியில் நேரடியாகப் பரப்பாத வெளவால்கள்மீது, இப்படியொரு தவறான பார்வை விழுவது ஏன்?

41. https://depak.org/2020/04/27/south-asian-scientists--and-conservationists-bust-myths-about-bats-and-covid-19-date-of-release-24-04-2020/

42. Interview from the India TV - 09-05-20

https://www.indiatvnews.com/science/exclusive-interview-the-exact--origin-of-coronavirus-pandemic-remains-fuzzy-but-unlikely-it-s-lab--engineered-615659

===Bengali===

43. Sangbad Pratidin on 11-05-20

https://epaper.sangbadpratidin.in/epaper/m/441193/5eb8abcbb92db

44. The Hindu (online) - 12-05-20
https://www.thehindu.com/sci-tech/energy-and-environment/amid-covid-19-lets-not-forget-how-bats-help-our-environment/article31566072.ece/amp/

45. The Hindu (online) - 29-05-20
https://www.thehindu.com/society/get-bats-out-of-hell-bats-are-one-of-the--most-misunderstood-mammals/article31702110.ece

FIELD NOTES SOCIETY

Get bats out of hell: Bats are one of the most misunderstood mammals

K.C. Deepika

MAY 29, 2020 15:16 IST
UPDATED: MAY 29, 2020 15:17 IST

SHARE ARTICLE 0 PRINT A A A

Fying foxes in Chennai's Egmore Museum grounds. | Photo Credit: S. Thanthoni

It's time we stopped vilifying these creatures of the night, and for that we need to understand their role better

46. The Shillong Times (online) - 25-04-20
http://theshillongtimes.com/2020/04/25/researchers-bust-myths-on-bats--link-with-covid-19/

Batts and Covid 19 - facts vs. myths

Just like amongst humans themselves, animals too are subjected to judgements based on visual appearances, popular culture and superstitious beliefs.

Whereas the tame domestic dog is easily relatable and the charismatic elephant or tiger makes for a sight to behold, other creatures with critical ecological roles either skip our attention or are conveniently ignored.

I teamed up with ace scientist Rohit Chakravarty aka @ paintedbat to tell the story of one of them through this really simple video.

It is perhaps been the most vilified and feared through the ages, as it silently glides across the sky and helps us in ways most aren't aware of - Bats.

Their persecution has been furthered by the Covid-19 pandemic and i therefore urge you to watch this as many times, and share it as widely as possible.

#covid19 #bats #batsofinstagram
Video: https://vimeo.com/416618851

Coronavirus Source: Truth about Bats | Dhruv Rathee

Till now, there is still no clear source of COVID-19 infection cause from coronavirus SARS-COV-2 but experts think it most likely did originate from bats. Because of this, all across the world, we are seeing cases where Bats are being harassed, blamed and exterminated out of fear that they can cause the infection. In this video, I interview a Chiropterologist - Rohit Chakravarty (a person who is researching specially on Bats) to clear all doubts regarding bats. Answering questions like Can Bats spread Coronavirus? Do you have to be scared of them? How dangerous are they?

Support my work and join as a member to get exclusive stuff:
1. On Patreon: https://www.patreon.com/dhruvrathee
2. On Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC-CS...

Video: https://www.youtube.com/watch?v=gwFWB7gM7-U

SCIENTISTS AND CONSERVATIONISTS BUST MYTHS ABOUT BATS AND COVID-19

1. Bat Scientists clarify rumours on Bats

64 Chiropterogists from 6 countries release a press note clarifying that bats do not cause COVID-19

2. Wrong to blame bats without evidence

The exact origin of SARS-CoV-2 or its precursor is not known. It is premature and unfair to blame bats or any other animal for the pandemic.

3. Humans cannot contract coronaviruses through bat excreta

Scientists strongly suggest that it is highly unlikely for SARS-like viruses to jump directly from bats to humans. Also, there is no evidence of humans contracting coronavirus through the excreta of bats .

4. Bat Coronavirus does not infect humans

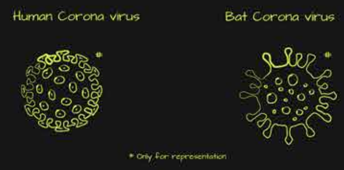

The recent report from the Indian Council of Medical Research on the discovery of bat coronaviruses (BtCoV) in two species of South Asian bats poses no known health hazard. The viruses found in the study are different from SARS-CoV-2 and cannot cause COVID-19.

5. Killing bats & other wild animals will cause more harm

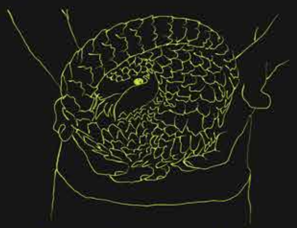

Information on the current, and past zoonotic disease outbreaks suggest that global wildlife trade and/or large-scale industrial livestock farming play an important role in such events. Killing bats and other wild animals, or evicting them from their roosts in retaliation is counterproductive and will not solve any problems.

6. Bats offer huge economic benefits to humans

Bats perform vital ecosystem services. They pollinate the flowers of some mangroves, and many other commercially and culturally important plants. Insect-eating bats are voracious eaters of pest insects in rice, corn, cotton and potentially, tea farms. Therefore, bats benefit ecological and human health, and provide intangible economic benefits.

7. Need responsible Journalism

The society currently needs more awareness about the bats around them in addition to epidemiological facts for a healthy coexistence. We therefore, request media houses and the press to consider possible negative impacts of their statements on bats and other animals before releasing them.

8. Legal protection required for bats

Lastly, we urge the governments of South Asian countries to strengthen the legal framework to protect bats in view of their ecosystem services and their slow breeding capacity.

Concept
Rajesh Puttaswamaiah (Bat Conservation India Trust, Bengaluru); Dr. Seshadri K S (Indian Institute of Science, Bengaluru);
Rohit Chakravarty (Leibniz Institute for Zoo & Wildlife Research, Germany);
Baheerathan Murugavel (IISER, Thiruvananthapuram)

Illustration
Dhanush Shetty

Podcast

NL Interview with Rohit Chakravarty: Don't blame bats for the pandemic

A Phd student who spends his time making sense of bats and how they live, Rohit clears some misconceptions on the much maligned mammal.

By NL Team

The world's gotten a little more interested in bats over the past one month or so. Mostly, since the novel coronavirus hit global headlines — a virus that has, let's just say, humbled the human. We can say with some certainty that bats are the natural reservoir of SARS-CoV-2, the virus that caused the COVID-19 pandemic. But an intermediate host was needed for it to jump from bats to humans. This host is speculated to be a pangolin.

A Vox explainer succinctly explained how these three actors — bats, pangolins and humans — could have come together at a Wuhan wet market to cause an outbreak.

Watch it, it's quite informative. https://youtu.be/TPpoJGYIW54

Given the focus on bats as hosts of coronavirus, there's been much discussion around and malligning of the mammal: "they are dirty", "useless", "we should cull them out", and, of course, "why do people eat them!! That's not normal!!" In this podcast, Manisha Pande brings on board Rohit Chakravarty to discuss some of these questions. Rohit is a PhD student at the

Leibniz Institute for Zoo and Wildlife Research in Berlin, Germany. He studies bats in the Himalayas of Uttarakhand, investigating how their diversity changes across elevations, what they eat and generally, how they get by in their lives in the mountains. He has also worked on bats in the Andaman Islands and has co-authored the book, The Naturalist's Guide to the Mammals of India.

Rohit explains that bats have a special immunity that makes them resilient even as they host viruses that can be deadly for other animals, especially humans. So, do we need to fear them? Not really. He says: "Bats have been living all around us for centuries…they live close to you but they know how to mind their own business." The novel coronavirus outbreak has occurred for reasons that are more manmade than naturally occuring, he says.

Which means eating bats, right? Nope again. Rohit says that humans have traditionally hunted and eaten bats for long, especially forest dwellers. The problem is the scale at which it's being done today. "Almost every forest dwelling community that I know of, has a bat hunting tradition and these are particularly common in Nagaland or even in Northern Orissa, Chattisgarh, in West Bengal as well. Then further down south in Tamil Nadu and Kerala. A lot of tribes do eat even in the Andaman Islands," he says.

Finally, we get to why bats are important to the larger scheme of things. Did you know that there would be no tequila in the world if it weren't for bats?

Listen on and find out why.

Videos & Talks:

Corona bats in Bengaluru?

https://www.youtube.com/watch?v=YzhCXrGTTBo

ಬಾವಲಿಗಳು ನಿಜಕ್ಕೂ ಅಷ್ಟೊಂದು ಅಪಾಯಕಾರಿನಾ..? | Are Bats Dangerous To Humans?

https://www.youtube.com/watch?v=1MDEI3zqh7g

ನಿಮ್ಮ ಮನೆ ಸುತ್ತ ಬಾವಲಿ ಇದ್ರೆ ಹೆದರಬೇಕಾ..? | **Relationships between Bat and Corona**

https://www.youtube.com/watch?v=_mooIBGCuok

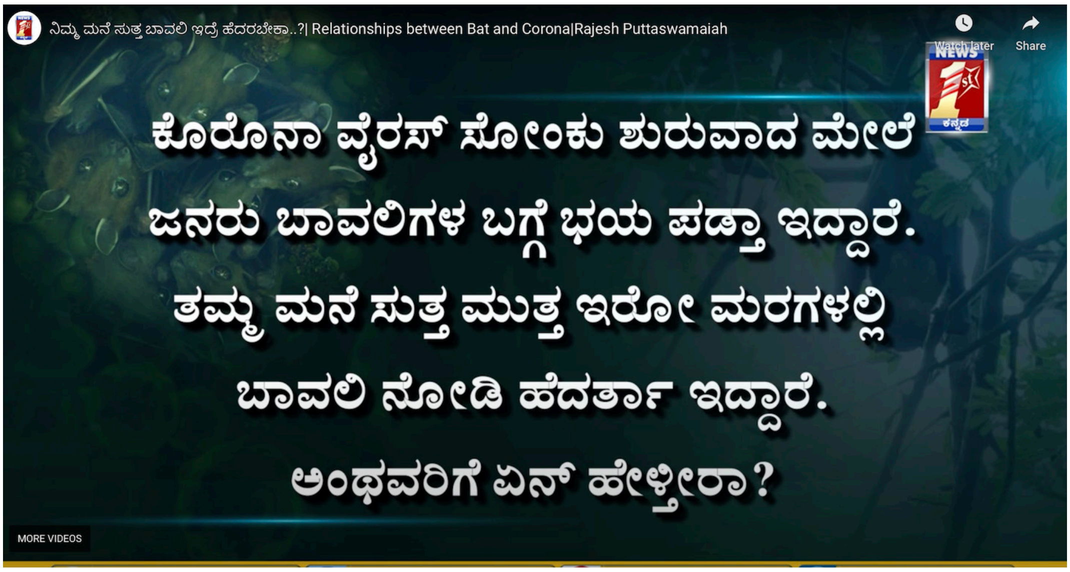

All You Need To Know About Bats

https://www.natureinfocus.in/nature-and-wildlife-conservation/all-you-need-to-know-about-bats

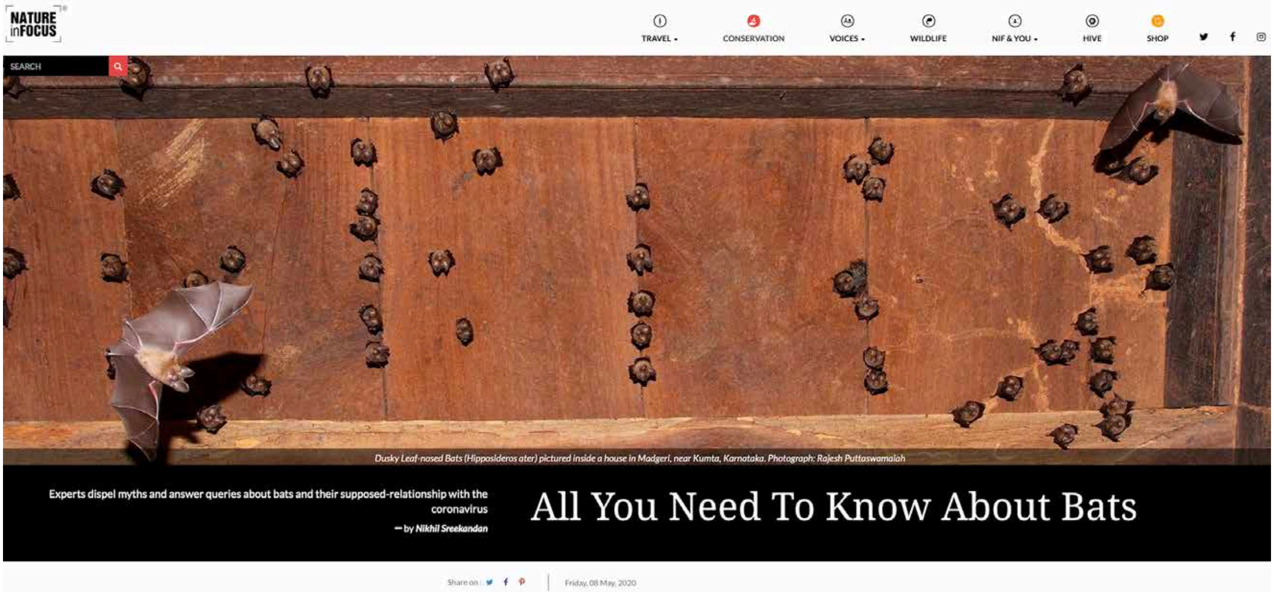

Bahar Dutt in conversation with scientists who are batty about bats | #EarthTalks | #COVID19

https://www.youtube.com/watch?v=DNPYx1vHcU8&feature=youtu.be&fbclid=IwAR3TPu79hZI3Sm29Shc6BmbDRz_s7Kkzx_44Epazk1ea5uCsvFZokhU_mOY

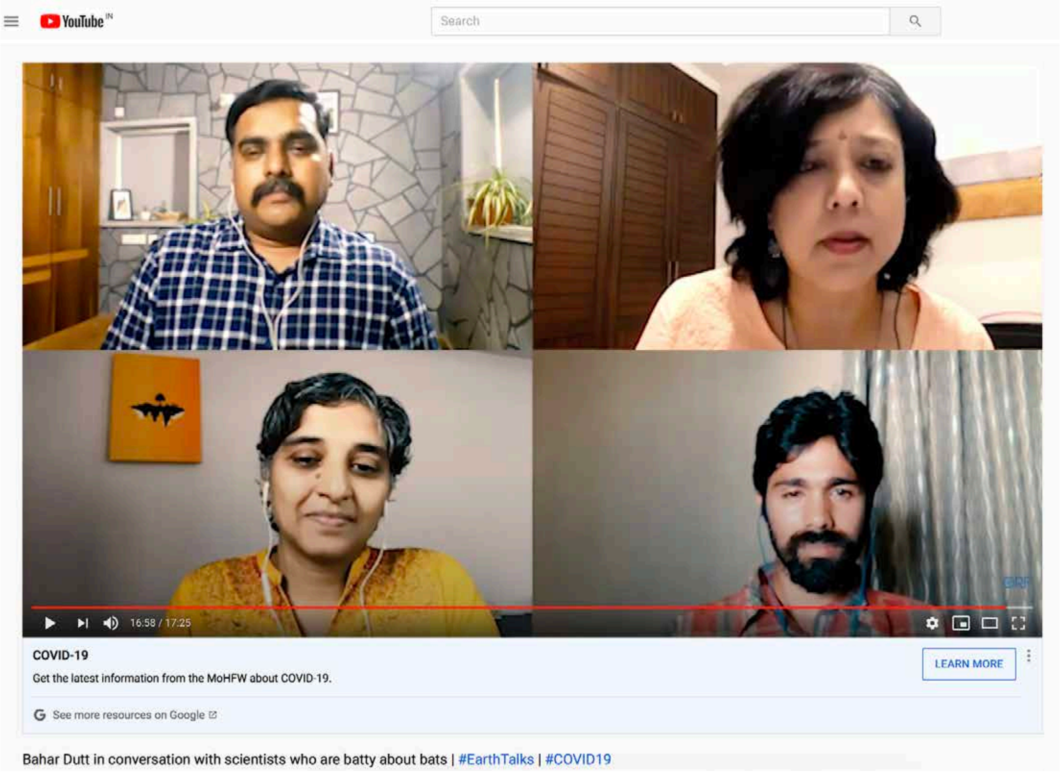

Bat segment on News9

https://www.youtube.com/watch?v=XQZ4fmqFJf4&feature=youtu.be&fbclid=IwAR3rxqezhVbGLDyiBMpxMHbVKNyFCTgB29eCDbClGMLapC8NX6nsA9biXvM

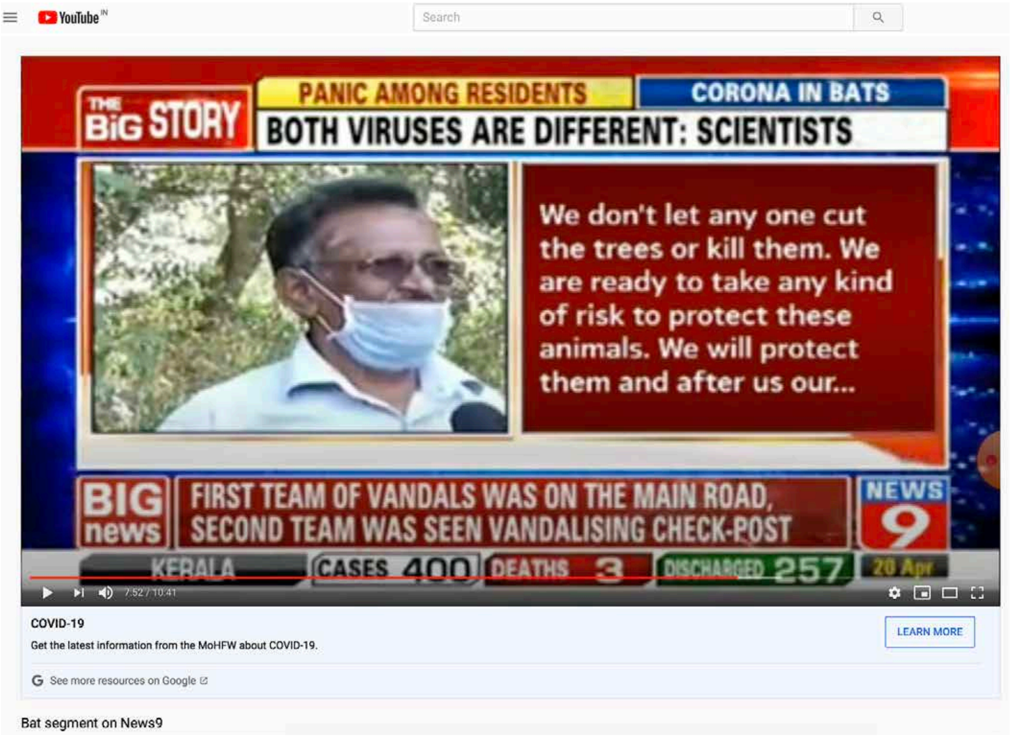

“Elephants, Bats and Covid-19” by Friends of Elephants initiative with Wildlife Trust of India

https://www.facebook.com/FoElephants/videos/3449227111773413/

A DIVE IN TO THE WORLD OF BATS by Kottayam Nature Society

https://www.facebook.com/104882907875999/videos/285708292441484/

Bats are our friends from IISER Pune’s Biology Department

https://www.youtube.com/watch?v=Sb3WSBPgHbM&fbclid=IwAR1nsTyC3dDGzSltlIX_
K4ucA1M56urg_z8rTrRp7fGbmav1hyL9ygeNWtg